दैनिक
बढ़ता राजस्थान
संस्करण:टोंक,जयपुर, अलवर एवं कोटा
• Since : 2004 /// कदम बढ़ाएं, सच के साथ ///
वर्ष : 12 | अंक : 16 | टोंक | मंगलवार,20 अगस्त, 2024 | भाद्रपद, कृष्ण पक्ष प्रतिपदा संवत्-2081 | भारत सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत | मूल्य :₹1.00 | पृष्ठ : 08
www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

उदयपुर में चाकूबाजी में घायल स्टूडेंट की मौत
51 लाख के मुआवजे और संविदा नौकरी पर बनी सहमति
आज भी बंद रहेगा इंटरनेट

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर। चार दिन पहले (16 अगस्त) उदयपुर में हुई चाकूबाजी की घटना में घायल स्टूडेंट की मौत हो गई है। एमबी अस्पताल में भर्ती छात्र की दोपहर करीब 3 बजे तबीयत बिगड़ गई थी। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद अस्पताल के बाहर भारी पुलिस जाब्ता तैनात कर दिया गया। छात्र के शव को मॉर्च्युरी में रखवाया।

परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया और दोषी को सजा देने समेत कई मांगों को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। मृतक के परिजनों को 51 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने, परिवार के 1 सदस्य को संविदा पर नौकरी देने और एसटी-एससी एक्ट के तहत मामले में कार्रवाई करने पर सहमति बन गई है।

लोगों ने परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी देने और स्कूल स्टाफ को हटाने की मांग की हैं। सरकारी नौकरी के लिए प्रशासन सरकार को प्रस्ताव भेजेगा। मांगों पर सहमति बनने के बाद पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

लोग बोले- 4 दिन गुमराह करते रहे

इससे पहले छात्र की मौत के बाद विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता अस्पताल में पहुंच गए और नारेबाजी करते हुए इमरजेंसी गेट के सामने इकट्ठा होना शुरू हो गए। लोगों का कहना है कि 4 दिन तक हमसे झूठ कहते रहे, गुमराह करते रहे। आज अगर डिक्लेयर करना था तो रात को करते। आप तो दिल्ली ले जा रहे थे, जयपुर ले जा रहे थे। हमसे झूठ क्यों बोला, आज अचानक डेथ कैसे हुई? उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट, कलेक्टर अरविंद पोसवाल, आईजी अजयपाल लांबा, एसपी योगेश गोयल समेत बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

गृह राज्यमंत्री ने की शांति बनाए रखने की अपील

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने लोगों से धैर्य बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा- घटना दुखद है। सरकार ने पूरी कोशिश की। आम जनता से अपील है कि आपसी सौहार्द बनाए रखें।

बाजार से लेकर चौराहों पर पुलिस फोर्स तैनात

शहर में बाजार से लेकर विभिन्न चौराहों पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। अफवाहों से शहर को बचाने के लिए नेट बंद है। एमबी अस्पताल के चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात है।

कर्नाटक हाईकोर्ट- जब तक सुनवाई जारी, सिद्धारमैया पर कार्रवाई नहीं
निचली अदालत को आदेश; गर्वनर ने जमीन घोटाले में केस चलाने की मंजूरी दी थी

बढ़ता राजस्थान

बेंगलुरु। कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया की राज्यपाल थावरचंद गहलोत के खिलाफ दायर याचिका पर सोमवार (19 अगस्त) हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा- जब तक हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है, एमयूडीए मामले में ट्रायल कोर्ट सिद्धारमैया पर कार्रवाई न करें। अगली सुनवाई 29 अगस्त को होगी। गवर्नर ने 17 अगस्त को सिद्धारमैया के खिलाफ केस चलाने की मंजूरी दी थी। उनपर मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण की जमीन के मुआवजे के लिए फर्जी दस्तावेज लगाने का आरोप है। सीएम सिद्धारमैया ने कहा- राज्यपाल ने आदेश बिना सोचे-समझे और संवैधानिक नियमों के खिलाफ दिया है। मैंने 40 साल के राजनीतिक करियर में कुछ गलत नहीं किया। भाजपा को विरोध करने दो, मैं बेदाग हूं।

एमयूडीए घोटाले में सीएम सिद्धारमैया, उनकी पत्नी, साले और कुछ अधिकारियों के खिलाफ शिकायत की गई है। एक्टिविस्ट टी. जे. अब्राहम, प्रदीप और स्नेहमयी कृष्णा का आरोप है कि सीएम ने एमयूडीए अधिकारियों के साथ मिलकर महंगी साइट्स को फर्जी दस्तावेज लगाकर हासिल किया।

राजस्थान में एक करोड़ नए सदस्य बनाएगी भाजपा
हर बूथ पर 200 नए मेंबर का टारगेट; लोकसभा में 31 बूथ पर जीरो वोट मिले थे

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। लोकसभा चुनावों में 11 सीटों पर हारने के बाद भाजपा अपनी कमियों को दूर करने की कोशिशों में जुट गई है। चुनाव में पार्टी की हार की बड़ी वजहों में एक बूथ पर कमजोर पकड़ भी थी। इससे सबक लेते हुए अब पार्टी ने बूथ पर नए सदस्यों को जोड़ने का प्लान बनाया है। इसके लिए हर बूथ पर 200 सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में 52 हजार बूथ हैं।

इसके लिए पार्टी सदस्यता अभियान चलाएगी। इस अभियान से 1 करोड़ नए सदस्य बनाने का टारगेट रखा गया है। जानकारों की मानें तो यह टारगेट हासिल कर पाना भाजपा के लिए काफी चुनौती भरा होगा, क्योंकि राजस्थान में लोकसभा चुनावों में करीब 5 करोड़ वोटर थे। इस हिसाब से उसे 20त्न ऐसे वोटर्स को पार्टी से जोड़ना होगा, जो अभी पार्टी के सदस्य नहीं हैं।

प्रदेश में 31 बूथों पर बीजेपी को मिले थे जीरो वोट

लोकसभा चुनावों में राजस्थान की 25 में से 4 सीटों के 31 बूथ पर बीजेपी को जीरो वोट मिले थे। इन बूथों पर बीजेपी के बूथ अध्यक्षों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी अपनी पार्टी को वोट नहीं दिया। प्रदेश के करीब 52 हजार पोलिंग बूथ के आंकड़े खंगालने के बाद ये चौंकाने वाला तथ्य सामने आया था।

ये बूथ सीकर, झुंझुनूं, जयपुर शहर और बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा क्षेत्र के थे। जयपुर शहर को छोड़ दें तो बाकी तीन सीटों पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब पार्टी नए सिरे से सदस्यों को पार्टी के साथ जोड़कर बूथ को मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

सदस्यता अभियान को लेकर कार्यशाला

बीजेपी के इस सदस्यता अभियान के लिए मंगलवार को जयपुर में एक कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी। इस कार्यशाला में राष्ट्रीय पदाधिकारियों से लेकर जिला सदस्यता टीमें मौजूद रहेगी। सदस्यता अभियान के लिए प्रत्येक बूथ स्तर से लेकर मंडल स्तर और शक्ति केंद्रों के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। वैशाली नगर स्थित खण्डेलवाल गर्ल्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी संस्थान के सभागार में आयोजित होने वाली कार्यशाला में बीजेपी के राष्ट्रीय पदाधिकारी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी, सांसद, विधायक, भाजपा के मोर्चो के प्रदेशाध्यक्ष, महामंत्री, प्रकोष्ठों के संयोजक एवं सह-संयोजक, जिला प्रभारी एवं सह-प्रभारी, जिलाध्यक्ष, जिला महामंत्री, जिलों की सदस्यता टीम, महापौर-उपमहापौर, जिलों से प्रधान-उप प्रधान के साथ बोर्ड व आयोगों के अध्यक्ष उपस्थित रहेंगे।

पीएम को बच्चों ने मां की तस्वीर वाली राखी बांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षाबंधन के मौके पर दिल्ली में स्कूली बच्चों से राखी बंधवाई। इसमें एक राखी पर मोदी और उनकी मां की तस्वीर भी थी, जिसमें, एक पेड़ मां के नाम कैंपेन स्लोगन लिखा था। इससे पहले मोदी ने ट्वीटर पर पोस्ट कर देशवासियों को रक्षाबंधन की बधाई दी। पीएम के अलावा लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी बहन प्रियंका के साथ फोटो शेयर करते हुए देशवासियों को राखी की बधाई दी। प्रियंका ने राहुल और पिता राजीव के साथ तस्वीर पोस्ट कर लिखा- भाई-बहन संघर्ष के साथी होते हैं।

एनसी ने जारी किया घोषणापत्र, उमर अब्दुल्ला बोले- अनुच्छेद 370 और 35ए को करेंगे बहाल

नई दिल्ली(एजेंसी) नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया। यह दस्तावेज़ पार्टी उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला द्वारा एक प्रेस वार्ता के दौरान घोषणापत्र समिति के सदस्यों सहित वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में जारी किया गया था। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह सिर्फ चुनाव का दस्तावेज नहीं है। जब सभी इसे पढ़ेंगे तो समझेंगे कि यह पूरी तरह शासन-प्रशासन का एजेंडा है। यह पांच साल का रोडमैप है और इसे लागू करने से जम्मू-कश्मीर में बदलाव आएगा। पहले भी कई लोगों ने बदलाव की बात की, लेकिन हमें केवल धोखा मिला।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी की स्थिति हम सभी जानते हैं। भर्ती प्रक्रिया में धोखाधड़ी हुई और युवाओं को नौकरी नहीं मिली। हम युवाओं से व्यापक वादे कर रहे हैं और बेरोजगारी के मुद्दे का समाधान करने जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम यह भी करेंगे पानी और बिजली के मुद्दे को संबोधित करें और 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त देंगे। कुछ लोग इससे अधिक का वादा करेंगे लेकिन यह फायदेमंद नहीं है क्योंकि वे भविष्य में सत्ता में नहीं रहने वाले हैं। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुख्य प्रवक्ता तनवीर सादिक ने कहा कि हमारी गारंटी सामान्य स्थिति बहाल करने की है। हम भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत के लिए माहौल को बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे। हम उन सभी राजनीतिक नेताओं और युवाओं को रिहा करेंगे जो अलग-अलग हैं। हम उन लोगों की भी मदद करने का प्रयास करेंगे जिनके पासपोर्ट सत्यापन लंबित हैं। अनुच्छेद 370 की बहाली और जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे के साथ-साथ 2000 में तत्कालीन विधानसभा द्वारा पारित स्वायत्तता प्रस्ताव का कार्यान्वयन नेशनल कॉन्फ्रेंस की आगामी चुनावों के लिए अपने घोषणापत्र में घोषित 12 गारंटियों में से एक है।

अमरनाथ यात्रा छड़ी मुबारक की रस्म के साथ संपन्न : 52 दिनों में 5 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा का सोमवार (19 अगस्त) को संपन्न हो गई। 52 दिनों तक चली यात्रा में 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन किए। 2023 में 4.5 लाख यात्रा में शामिल हुए थे। यात्रा के आखिरी दिन बाबा अमरनाथ की पवित्र छड़ी मुबारक पंजतरणी से अमरनाथ गुफा में पहुंची। छड़ी मुबारक की वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पारंपरिक पूजा-अनुष्ठान हुई। इसकी के साथ अमरनाथ यात्रा 2024 का समापन हुआ। बाबा अमरनाथ की यात्रा 29 जून 2024 से शुरू हुई थी। इसके लिए जम्मू से लेकर बालटाल और नून (पहलगाम) बेस कैंप तक कड़ी सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे। आर्टिकल 370 हटने के 5 साल पूरे होने के दिन 5 अगस्त को अमरनाथ यात्रा एक दिन के लिए रोकी भी गई थी। अमरनाथ यात्रा में तीर्थयात्रियों की संख्या में होती गिरावट में लगातार दूसरे साल बढ़ोतरी देखने को मिली है। 2023 में 4.5 लाख और इस साल 5 लाख तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए हैं। साल 2012 में रिकॉर्ड 6.35 तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए थे।

काले हिरण का शव रखकर धरने पर बैठा बिश्नोई समाज
सड़क जाम की, प्रशासन से 4 बार बातचीत बेनतीजा; शिकारी ने मारी थी गोली

बढ़ता राजस्थान

सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर)। बिश्नोई समाज पिछले 24 घंटे से काले हिरण की हत्या के मामले को लेकर धरने पर है और सड़क जाम कर दी है। आरोप है कि वन विभाग की लापरवाही के चलते शिकारी खुले आम शिकार कर रहे हैं। समाज की मांग है कि श्रीगंगानगर डीएफओ दिलीप राठौड़ और सूरतगढ़ रेंजर वेदप्रकाश को हटाया जाए। मामला श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ वन क्षेत्र का है जहां रिड़मलसर-भगवानगढ़ रोड धरना दिया जा रहा है।

किसान को मिला था घायल हिरण-सूरतगढ़ कस्बे का गांव 64 LNP के रहने वाले किसान बजरंग पूनिया रविवार सुबह 6 बजे अपने जब खेत जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें झाड़ियों के पास घायल पड़ा एक काला हिरण नजर आया। उन्होंने इलाके के वन्य-जीव प्रेमियों को इसकी सूचना दी।

इस पर वन्य जीव प्रेमी इलाज के लिए हिरण को रिड़मलसर वन्य जीव रक्षा चौकी में लेकर पहुंचे। लेकिन, हिरण ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही रायसिंहगर रेंजर जगदेव शर्मा टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जहां उन्होंने हिरण का पोस्टमार्टम करने के लिए कहा तो वन्यजीव प्रेमियों ने मना कर दिया। सुबह 11 बजे वन्यजीव प्रेमी हिरण के शव को 9 डीबीएन के रोही क्षेत्र पर लाकर धरने पर बैठ गए।

जिन अधिकारीयों पर आरोप उन्हीं को मीटिंग के लिए भेजा

बिश्नोई समाज के नेता अमित कड़वासरा ने कहा- सूरतगढ़ उपखंड के वन क्षेत्र के चक DBN की रोही में शिकारी ने गोली मारकर एक काले हिरण और खरगोश का शिकार कर दिया। प्रशासन वन में रही अवैध गतिविधियों पर ध्यान नहीं दे रहा है। अब भी विभाग के उच्चाधिकारियों और जिला कलेक्टर को धरने पर बुलाने की मांग की जा रही है, लेकिन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। जिन अधिकारियों को सस्पेंड करने की मांग की जा रही है। उन्हीं को वार्ता के लिए भेजा गया है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस, डॉक्टर की पहचान उजागर करने वाला अरेस्ट

बढ़ता राजस्थान

कोलकाता(एजेंसी)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के विरोध में दिल्ली समेत देशभर के रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर हैं। इस बीच कोलकाता पुलिस ने एक कॉलेज स्टूडेंट को ट्रेनी डॉक्टर की पहचान उजागर करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि स्टूडेंट ने सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर कर ट्रेनी डॉक्टर की जानकारी पब्लिक डोमेन में डाली। पोस्ट में उसने सीएम ममता बनर्जी को जान से मारने की भी धमकी दी थी। इसे लेकर केस दर्ज कर लिया गया है। इसके अलावा दिल्ली में एआईआईएमएस के रेजिडेंट डॉक्टरों ने स्वास्थ्य मंत्रालय के बाहर ओपीडी लगाई। उन्होंने डॉक्टरों की सुरक्षा की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए कहा- ट्रेनी डॉक्टर के परिवार को न्याय मिलना चाहिए।

दरअसल, 9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या की गई थी। 14 अगस्त की देर रात इसी अस्पताल में हिंसा हुई, जिसके बाद डॉक्टरों ने प्रदर्शन तेज किया।

सम्पादकीय

खनन कर : सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अपने विवेकाधिकार का इस्तेमाल करें राज्य, कम हो सकेगा प्रभाव

खनन पर कर लगाने का राज्यों का अधिकार 1 अप्रैल, 2005 की तारीख से प्रभावी तथा बरकरार रखते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने एक ओर जहां राजकोषीय संघवाद के सिद्धांतों को मजबूती प्रदान की है, वहीं दूसरी ओर उसने खनन कंपनियों पर भारी वित्तीय देनदारी भी थोपी है। उद्योग जगत के मुताबिक निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के खनन करने वालों को इस फैसले के पुरानी तारीख से लागू होने के कारण 1-2 लाख करोड़ रुपये की चपत लग सकती है। केंद्र सरकार ने न्यायालय से कहा कि अकेले सरकारी क्षेत्र की खनन कंपनियों पर इस फैसले से करीब 70,000 करोड़ रुपये का वित्तीय भार आएगा। न्यायालय द्वारा तय अंतिम तिथि सशर्त है, मसलन कोई ब्याज या जुर्माना नहीं लगेगा और भुगतान 12 वर्षों में किया जाएगा। इससे कुछ राहत मिली है।

सर्वोच्च न्यायालय ने अतीत की तिथि से लागू करने के बारे में स्पष्टीकरण दिया है कि निर्णय को भविष्य में लागू करना उचित नहीं होगा। उसका यह तर्क दिखाता है कि उच्चतम स्तर पर भी न्यायपालिका में काम की गति कितनी धीमी है। सन 1989 में सात न्यायाधीशों के पीठ ने इंडिया सीमेंट और तमिलनाडु राज्य एवं अन्य के मामले में कहा था कि खनिज उत्खनन की रॉयल्टी टैक्स नहीं है। उसने कहा कि केवल सीमेंट पर कर लगाया जा सकता है जबकि राज्य सरकार केवल रॉयल्टी वसूल सकती है। पांच न्यायाधीशों के पीठ ने 2004 में टाइपिंग की एक गलती की ओर इशारा करते हुए इस निर्णय को उलट दिया। उसने कहा कि रॉयल्टी कर नहीं है लेकिन रॉयल्टी पर लगने वाला उपकर (जो तमिलनाडु सरकार ने लगाया था लेकिन इंडिया सीमेंट उसका विरोध कर रही थी) कर है और ऐसे अतिरिक्त उपकर वसूल करना राज्यों का अधिकार है। इसके परिणामस्वरूप कई राज्यों ने अपने-अपने यहां खनिज खनन पर ऐसे कर लगाने के अधिकार का इस्तेमाल किया। इस बीच न्यायिक चुनौतियां भी उत्पन्न हुईं। आखिर में सर्वोच्च न्यायालय ने इन सभी चुनौतियों के परीक्षण के लिए एक पीठ का गठन किया। उसने कहा कि उसके निर्णय के भावी इस्तेमाल से ऐसी स्थिति बनेगी जहां राज्यों द्वारा खनन पर लगने वाले कर के लिए बने कानून अवैध होंगे और उन पर यह दबाव बनेगा कि वे सक्षम कानून के माध्यम से कर के रूप में संग्रहित राशि को वापस करें।

वित्तीय बोझ के अलावा अतीत से प्रभावी करों का देश में एक विवादास्पद इतिहास रहा है और अतीत में उसने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को भी नुकसान पहुंचाया है। वर्ष 2007 में एस्सार टेलीकॉम द्वारा हचिंसन से वोडफोन का अधिग्रहण किए जाने के बाद वित्त अधिनियम 2012 द्वारा पूंजीगत लाभ पर अतीत से कर लगाने के मामले में 2022 में स्थायी मध्यस्थता न्यायालय ने निरस्त कर दिया था। वर्ष 2012 के कानून के नुकसानदेह असर के चलते सरकार ने 2021 में उस कानून को ही निरस्त कर दिया था। सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय निस्संदेह खनिज समृद्ध राज्यों की वित्तीय स्थिति को बदलेगा। दो अगस्त को झारखंड ऐसा विधेयक पारित करने वाला पहला राज्य बन गया जिसने अपनी सीमा के भीतर होने वाले खनिज-कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट और मैंगनीज पर उपकर लगाया।

डूबती दिल्ली, मरते लोग, दोषी कौन?

अजीब सी स्थिति है कि एक तरफ दिल्ली बारिश के कारण डूब जाती है, दूसरी ओर दिल्ली वालों को पीने का साफ पानी तक नसीब नहीं होता।राजधानी में पानी से जुड़े सारे मामलों को दिल्ली जल बोर्ड देखता है। दिल्ली जल बोर्ड का सर्वाधिक हाल बेहाल है। दिल्ली की आप सरकार के मंत्री और नेता रोज केन्द्र सरकार पर आरोपों की बौछार करने का कोई भी अवसर जाने नहीं देते। वे चिर असंतुष्ट प्राणी हैं। उन्हें सबसे शिकायतें हैं। वह कभी खुद भी अपने गिरेबान में झांक तो लें। वह खुद कब इस सवाल का जवाब देंगे कि वह दिल्ली को पेयजल के संकट से फलां-फलां तारीख तक उबार देंगे ? दिल्ली का मतलब सिर्फ हरे-भरे पेड़ों से लबरेज नई दिल्ली का लुटियन क्षेत्र ही नहीं है।

आर.के.सिन्हा

राजधानी दिल्ली में इस बार मानसून के मौसम में हो रही भारी बारिश से हाहाकर मचा हुआ है। बारिश के पानी के कारण हो रहे जलभराव में लोग डूब रहे हैं या फिर उनकी पानी में खुली बिजली की तारों से करंट लगने के कारण जानें जा रही हैं। ये हादसे दिल्ली नगर निगम और दिल्ली सरकार की काहिली और नकारापन की चीख-चीख कर पुष्टि कर रहे हैं। यूं तो हरेक बारिश के मौसम में दिल्ली में जलभराव के कारण लगने वाले लंबे जाम के कारण लाखों लोगों की जिंदगी दूभर हो ही जाती है। पर इस बार बारिश के कारण यहां वहां जमा पानी में लोगों की डूबने के कारण अनेकों जानें भी जा रही हैं। साफ है कि जिन सरकारी एजेंसियों, अफसरों और कर्मियों पर देश की राजधानी को ठीक-ठाक रखने की जिम्मेदारी है, वह अपने दायित्वों को लेकर कतई गंभीर नहीं हैं। इन सरकारी महकमों में कसकर व्याप्त करप्शन भी इस कर्तव्यहीनता का मुख्य कारण है। कुछ दिन पहले देश की संसद भवन से पांचेक किलोमीटर दूर ओल्ड राजेन्द्र नगर में तीन नौजवान तब डूब कर मर गए थे, क्योंकि; वे जिस बेसमेंट में बैठकर पढ़ रहे थे, वहां पानी भर गया था। दिल्ली की मेयर शैली आनंद के क्षेत्र से ओल्ड राजेन्द्र नगर की एक किलोमीटर भी नहीं है। इसके बावजूद वहां इतना बड़ा हादसा हुआ। आम आदमी पार्टी के सांसद ओल्ड राजेन्द्र नगर से दो मिनट की दूरी पर स्थित न्यू राजेन्द्र नगर में रहते हैं। पर उनकी पार्टी ने उनकी भी कोई क्लास नहीं ली। हादसे के लिए मात्र दो-तीन निगम के निम्न वर्गीय कर्मियों को बर्खास्त कर दिया गया। सवाल यह है कि इस हादसे के लिए दिल्ली की मेयर ने अपने पद से इस्तीफा क्यों नहीं दिया? हाल ही में बेल मिलने के बाद दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी अपनी दिल्ली सरकार के कामकाज की उपलब्धियां गिनवा रहे हैं। पर वे यहां जलभराव के कारण हुई मौतों पर चुप हैं। एक उम्मीद पैदा हुई थी कि ओल्ड राजेन्द्र नगर की भयानक घटना के बाद यहां नगर निगम कायदे से काम करने लगेगा। उस घटना से दिल्ली खासी व्यथित थी। जनता में गुस्सा था। पर नगर निगम का चाल-चरित्र-चेहरा नहीं बदला। राजधानी में लोगों की जाने जाती रहीं, क्योंकि तेजी बारिश के कारण सड़कों पर पानी भरना जारी रहा और सड़कों पर पैदल चलने वालों की जान पर बन आई। दो बच्चों की करंट लगने और डूबने से मौत हो गई। दिल्ली में इस मानसून में अब तक मरने वालों की अबतक ज्ञात कुल संख्या 33 हो गई है। इतने लोगों की मौत के बावजूद यहां पर सब कुछ सामान्य रफ्तार से चलना साबित करता है कि समाज अब पूरी तरह संवेदनहीन हो चुका है। वह कभी -कभार ही अपनी तीखी प्रतिक्रिया देता है। देखिए, जलवायु संकट मानसून में अप्रत्याशित पैटर्न पैदा कर रहा है, जिससे छोटे, लेकिन बहुत भारी बारिश के झोंके अब सामान्य से हो गए हैं। इसके लिए ठोस योजना की आवश्यकता है, न कि बाद में किए जाने वाले उपायों की। पर हमारे यहां बदले हुए हालात के अनुसार नहीं चला जाता है। सब काम चालू तरीके से होता है। जाहिर है, इसके बहुत दूरगामी परिणाम झेलने पड़ते हैं। हम अपनी याददास्त को अगर टटोलें, तो पाएंगे कि पर्यावरण में सुधी जनों ने चेतावनी इसलिए ही बहुत पहले ही दी थी। यकीन मानिए हमारे बहुत सारे सरकरी विभागों को लकवा मार गया है। वहां कोई आगे बढ़कर स्वेच्छा से काम करने के लिए तैयार ही नहीं है। जाहिर है, इस मानसिकता के कारण ही बेकसूर लोग मारे जा रहे हैं। यह सब होने के बाद भी सरकारी अफसरों और दिल्ली सरकार के मंत्री किसी भी प्रकार की जवाबदेही के लिए तैयार नहीं हैं। क्यों नहीं उनके खिलाफ सख्त एक्शन होता जिनकी वजह से लोग मारे जा रहे हैं या दिल्ली पानी-पानी हो रही है। राजधानी का मतलब दक्षिण दिल्ली, उत्तर दिल्ली, पश्चिम दिल्ली या यमुना पार की सभ्रांत आवासीय कॉलोनियां भी नहीं है। दिल्ली के लाखों नागरिक उन अनधिकृत कॉलोनियों, घनी बस्तियों, झुग्गियों में भी जीवन यापन करने के लिए अभिशप्त हैं,जहां पर पीने का पानी मयस्सर नहीं है। जरा सोचिए कि किन हालातों में भीषण गर्मी के मौसम में लोग रहते होंगे। राजधानी के लाखों नागरिकों के घरों में पीने का पानी नहीं आता। यह अभागे हर रोज निजी जल आपूर्तिकर्ताओं अपने दिन भर के से उपयोग के लिये पानी खरीदते हैं। दस लाख की आबादी वाले संगम विहार में दिल्ली जल निगम से पानी की सप्लाई नहीं होती। यह हाल है दिल्ली का। जल संकट से जूझ रहे दिल्ली में लगभग आधे जल निकायों का अतिक्रमण और अन्य कारणों की वजह से नष्ट हो जाना प्रशासनिक विफलता का संकेत है। दुनिया के सबसे अधिक जल संकट वाले शहरों में से एक, दिल्ली ने आधिकारिक तौर पर सूचीबद्ध अपने लगभग आधे जल स्रोतों को खो दिया है। जिस समय देश आजाद हुआ था, उस समय दिल्ली के 362 गांवों में 1012 तालाब थे। यह सरकारी आंकड़ा है। एक सर्वे में पता चला है कि दिल्ली में दो हजार से अधिक तालाब और बावड़ियाँ होती थी। आबादी बढ़ने और दिल्ली के विकास के साथ अधिकतर तालाब खत्म कर दिए गए। कई तालाबों पर कॉलोनियां बस गई। जो तालाब बचे हैं, उनमें से आधे से अधिक लगभग सूख चुके हैं। इन तालाबों को फिर से जीवित करना होगा। जानकार मानते हैं कि राजधानी में 500 से अधिक तालाब ऐसे हैं जिन्हें बारिश के पानी से पुनर्जीवित किया जा सकता है और बारिश की पानी से दिल्ली को जलमग्न होने से बचाया जा सकता है। बहुत साल पहले पानी-तालाब पर जीवन खपा देने वाले अनुपम मिश्र ने सुझाया था कि यमुना का भी पुनर्जीवन संभव है। अगर यमुना के किनारे वजीराबाद से ओखला के बीच बड़े तालाबों की एक श्रृंखला बनाई जाये। यदि दिल्ली में हमने जल का सही तरह से संरक्षण करना नहीं सीखा तो यहां पर पानी को लेकर भविष्य के दिनों में भारी खून-खराबा होगा। अभी भी बहुत सी अनधिकृत बस्तियों में पानी को लेकर सुबह रोज झगड़े होते हैं।

कत्ल तक हो चुके हैं। जल के स्रोत सीमित हैं। नये स्रोत हैं नहीं, ऐसे में जल स्रोतों को संरक्षित रखकर एवं जल को बचाकर ही हम जल संकट का सामना कर सकते हैं। इसके लिये हमें जल के उपयोग में मितव्ययी बनना पड़ेगा। जल प्रबंधन को बेहतर करना होगा। यदि वर्षाजल का समुचित संग्रह हो सके और जल के प्रत्येक बूंद को अनमोल मानकर उसका संरक्षण किया जाये तो जल संकट का समाधान संभव है। राजधानी में रोज लाखों कारों और दूसरे वाहनों की धुलाई पर बहुत पानी बर्बाद हो जाता है। इस तरफ कोई ध्यान नहीं देता कि इस लिहाज से पानी की बर्बादी कैसे रोकी जाए। दिल्ली को अब जल संरक्षण के मसले पर सेंसटिव होना होगा। अब पानी के इस्तेमाल में हमें मितव्ययी बनना होगा। छोटे-छोटे उपाय कर जल की बड़ी बचत की जा सकती है। मसलन हम दैनिक जीवन में पानी की बर्बादी कतई न करें। समाज को खुद ही अपने मसले हल करने होंगे।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, आपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारस्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें सताए और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष

दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। धैर्य रखें।

वृष

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों से संबंध सुधरेंगे।

मिथुन

शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी।

कर्क

व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। अज्ञात भय रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

सिंह

घर के सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

कन्या

लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें।

तुला

शेयर मार्केट में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शुभ समय। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यापार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक

निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी सहयोग करेंगे। शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी।

धनु

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है।

मकर

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यापार में वृद्धि होगी।

कुंभ

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल होंगे। निवेश शुभ रहेगा।

मीन

निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा।

शख्सियत

दूसरों के लिए कुछ अच्छा करने व दूसरों के मन के भाव को समझने का जज्बा ही हमें इंसान बनाता है वरना खुद के लिए तो जानवर भी व्यवस्थाए कर लेता है। हमारा जीवन सही मायने में तब ही है जब ओरों के काम आए.....

नमस्कार मित्रों आज की हमारी शख्सियत कॉलम के ब्राईट स्टार हैं युवा उद्योगपति व समाजसेवी मृणाल गागल। 20 अप्रेल सन 1987 में अलवर में जन्में इस युवा की कहानी भी बड़ी ही अद्भुत है। प्रारंभिक शिक्षा अलवर पब्लिक स्कूल, ग्रेजुएशन अर्थशास्त्र ऑनर दिल्ली यूनिवर्सिटी व पोस्ट ग्रेजुएशन एमबीए फाइनेंस दिल्ली आई आई पीएम से की। रोटरी क्लब में 2016 में जॉईन किया और 2017-18. को सचिव रोटरी फोर्ट बने। 2020-2021 में अध्यक्ष बने इसके बाद 2021-22 में असिस्टेंट गवर्नर बने। फिलहाल रोटरी क्लब अलवर फोर्ट में सचिव पद को सुशोभित कर रहे हैं। खुद का व्यपार

संचय इमपेक्स डायमंड कटिंग टूल्स ग्रेनाइट मार्बल सैंडस्टोन ट्रेडिंग जाईन किया सन 2010 में 2019 में ब्रांडेड लेंकसर्ट शोरूम डाला। इसी वर्ष फ्रेम्स क्राफ्ट शुरू करने जा रहे हैं। जैस्वी मेटल्स फेब्रिकेशन यूनिट आईएसओ अप्रूव्ड शुरू किया जाऐगा सितंबर से । शारदा मार्बल पिता संजय गागल जी मैन्यूफैक्चरिंग रूडायमंड कटिंग टूल्स ग्रेनाइट मार्बल सैंडस्टोन ट्रेडिंग के सानिध्य में व्यपार शुरू किया है जो नित नई उंचाईयों को छूं रहा है। रोटरी में रहकर अनेकों नवाचार किए हैं। छोटे बच्चो के लिये स्कूल में मिड-डे किचन करवाया। पेड लगाये,पूरा फोकस,एनवायरनमेंट पे रहा है। समय समय पर लोगो की हेल्थ के लिए हेल्थ कैम्प लगवाए है व पानी की कमी से जूझ रही जनता के लिए टैंकरों की मदद से पानी उपलब्ध करवाए हैं। 21-40 महिला को सशक्त करना स्किल सेंटर खोलना रोटरी की बड़ी उपलब्धि रही है। इस नौजवान का एक किस्सा मुझे आज भी याद है। एक बार संस्कृत स्कूल में जहां वाल्मिकी समाज के बच्चें बच्चियां पढ़ती थी ये एक कार्यक्रम में गए। नई कार लेकर गए तो गरीब व पिछडे परिवार के बच्चों ने गाड़ी को हाथ लगाकर देखा तो ये दौड़ कर आए तो सारे बच्चे डर कर भागने लगे इन्होंने सभी बच्चों को गाड़ी में बैठाया और गाना गाया *हम होंगे कामयाब,हम होंगे कामयाब एक दिन.. हो हो. मन में है

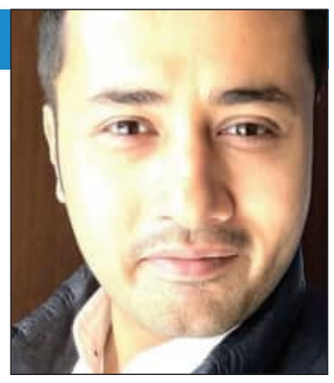

मृणाल गागल
(युवा उद्योगपति व समाजसेवी)

विश्वास,पूरा है विश्वास हम होगें कामयाब एक दिन.. मैंने इस अद्भुत क्षण को तत्कालीन जिला कलक्टर मुक्तानन्द अग्रवाल को दिखाया। उन्होनें इस ऊर्जावान युवा से मिलने की ख्वाईश की लेकिन उस वक्त ये कहीं बाहर गए हुए थे। बहराल बच्चों के प्रति इतना शानदार भाव बताता है कि आप सच में कितने खानदानी विरासत को अपने साथ लेकर चल रहे हैं। इनके दादाजी डॉ.देशबंधु गुप्ता अलवर के सीएमएचओ पद पर लम्बे समय रहे हैं। दैनिक बढ़ता राजस्थान की टीम इनके उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

जय हिन्द

विशेष आलेख

स्त्रियों पर दुराचार की पराकाष्ठा

संजीव ठाकुर

भारत में स्वतंत्रता की प्राप्ति के बाद से ही स्त्रियों,महिलाओं तथा बालिकाओं पर शारीरिक लगातार अनाचार, अत्याचार होते आ रहे हैं। दिल्ली में संजय गीता चोपड़ा भाई बहनों पर दरिंदगी के साथ बेंगलुरु में निर्भया, दिल्ली में तंदूर कांड अब कोलकाता के अस्पताल में डॉक्टर मौमिता देबनाथ और देहरादून में बालिका के साथ सामूहिक दुराचार की घटनाएं मानवीय आस्थाओं को झँझोड़ कर रख देती है कानूनी-सुरक्षा व्यवस्था पर से विश्वास उठने लगा है ।आखिर यह देश में हो क्या रहा है? स्त्री सुरक्षा, स्त्री शिक्षा, और स्त्रियों के उत्थान की तमाम घोषणाएं और सरकारों द्वारा की गई बड़ी-बड़ी बातें इन सब घटनाओं के सामने खोखली साबित हो रही है। कानून व्यवस्था सबूत के अभाव के सामने बेबस है या फिर धन और बल से बड़े आदमी को बचाने के लिए पूरा सिस्टम झुक गया है। क्या स्त्रियां भारत देश में सुरक्षित रह पाएंगीं,या ऐसे आत ताइयों के सामने खुला छोड़ दिया जाय?इस तरह के अनेक सवाल देश के हर नागरिक के दिमाग में कौंध रहे हैं। दरिंदों,बलात्कारियों ने कोलकाता में सारी हदें पार कर दी और राज्य सरकार की महिला मुख्यमंत्री अपराधी को बचाने के लिए धरने पर बैठी हुई है, लगता है हम राजनीति के बर्बर युग मे

जी रहे हैं, अब हमें शर्म के साथ घिंन भी राज्य और केंद्र सरकार की राजनीतिक दलीलों के साथ तमाम आरोप प्रत्यारोपों को सुनकर। लज्जित हुई स्त्रियां, लज्जित हुआ है समाज।

भारत एक विशाल लोकतांत्रिक देश है। भारत की जनसंख्या में पुरुषों के साथ-साथ की स्त्रियों तथा बच्चों की भी जनसंख्या भी बहुत ज्यादा है। देश में स्त्री शोषण तथा बाल अत्याचार की विविधता और धार्मिक कट्टरता को देखते हुए नारियों को शिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है, विशेष तौर पर स्त्री तथा बालिकाओं को बुनियादी शिक्षा तथा साक्षरता की महती आवश्यकता देश में महसूस की जा रही है। स्त्रियां अपने परिवार ,घर और समाज की देखरेख करती हैं अतः उनका शिक्षित होना बहुत ज्यादा आवश्यक भी है, बच्चे देश का भविष्य है अतः उनका शिक्षित होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना किसी भी देश के एक सफल नागरिक को होना चाहिए। स्त्री शिक्षित होंगी तो स्वयं और अपने परिवार को अच्छे बुरे और असामाजिक घटनाओं से सचेत रहने की शिक्षा भी दे सकती हैं जिससे एक सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजिक आंदोलन की महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि को तैयार किया जा सकता है

जिस तरह जल के बिना जीवन नहीं होता है,उसी तरह साक्षरता और शिक्षा के बगैर मनुष्य का जीवन निरर्थक हैद्य अशिक्षित आदमी ना तो अपने परिवार ना ही समाज के लिए उपयोगी हो सकता हैद्य इसके लिए सबसे पहले हमें स्त्रियों की शिक्षा और साक्षरता के मूल अंतर को समझना होगाद्य शिक्षा व्यक्ति के संपूर्ण जीवन पद्धति को विकसित करने का जरियाद्य तथा महत्वपूर्ण विकल्प हैद्य जिसके अंतर्गत पढ़ना,लिखना, समझना चरित्र विकास बौद्धिक मानसिक मनोवैज्ञानिक आध्यात्मिक सभी पहलुओं में गुणात्मक विकास करने के लिए आवश्यक कारक हैद्य साक्षरता सदैव रोजगार मूलक तथ्यों से जुड़ी होती है। जबकि सभ्यता संस्कृति का विकास मानवी शिक्षा से ही संभव हो पाता हैद्य शिक्षा हमें सभ्य होना सिखाती है। इसमें व्यक्ति के मनन, चेतना, सद्बुद्धि और विचारशीलता में वृद्धि करती हैद्य ऐसा भी संभव होता है कि कई वर्षों के अध्ययन से व्यक्ति सभ्य और सुसंस्कृत नहीं हो पाता है। इसीलिए विचारकों ने शिक्षा और संस्कृति को अलग-अलग पैमाने से नापा हैद्य सुसंस्कृत व्यक्ति सदैव संतुलित, शांत एवं नीति निर्णायक बन सकता है पर कई उदाहरणों में ऐसा भी पाया गया है उच्च शिक्षित व्यक्ति उच्छृंखल हो सकता है . वर्तमान समय में उच्च शिक्षित और ज्यादा पढ़े लिखे अज्ञानियों की संख्या बहुतायत में हैद्य ऐसा ज्यादातर तकनीकी शिक्षा के मामले में देखा गया है, इसीलिए उच्च शिक्षित व्यक्ति जो सद व्यवहार नहीं करता, उन्हें केवल साक्षर मान के शिक्षित व्यक्ति ना माना जाएद्य शिक्षा और संस्कृति तथा विरासत के मूल्य का आपस में गहरा संबंध है जबकि साक्षरता का इससे बहुत दूर-दूर तक कोई लेना देना नहीं हैद्य वैसे शिक्षा और संस्कृति के ज्ञान का प्रारंभिक गर्भावस्था से ही हो जाता है, अर्जुन पुत्र अभिमन्यु इस बात के बहुत बड़े उदाहरण हैद्य महात्मा गांधी तथा अब्राहम लिंकन ने मनुष्य के चरित्र निर्माण एवं विकास के लिए माताओं का योगदान बहुत महत्वपूर्ण बताया हैद्य परिवार की शिक्षा के बाद विद्यालयों की शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसमें अनुशासन, सहभागिता, समानता एवं नेतृत्व जैसे गुणों का समावेश होता हैद्य पुस्तकों का ज्ञान व्यक्ति एवं व्यक्ति के जीवन में संज्ञानात्मक विकास को बढ़ावा देता है,पर शिक्षक की भूमिका जिंदगी में बड़ी ही प्रेरणादाई होती है। यह कहा जाता कि बिना गुरु ज्ञान नहीं हो सकता है, द्य ऐसे कई उदाहरण हैं की बिना साक्षरता के व्यक्ति पूर्ण रूप से शिक्षित एवं सुसंस्कृत हो सकता है,पुराण काल में रावण प्रकांड पंडित एवं साक्षर व्यक्ति माना जाता था पर स्त्री के अपहरण में उसका कृत्य अहंकार लालच लिप्सा उसकी साक्षरता को सार्थक नहीं कर पाई और समाज उसे सिर आंखों पर बिठा के रखता है। इससे समाज के दीर्घकालिक सांस्कृतिक मूल्यों का हनन होता है, एवं क्षति भी होती है। और इस प्रक्रिया में साक्षरता पक्ष होने के कारण रोजगार साधन बन जाते हैं। एवं साधनों की परवाह न कर इसकी खुली अवहेलना हो लोग करने लगे हैं ,और इसी कारण शिक्षा के क्षेत्र में नकल, फर्जीवाड़े,धन देकर नौकरी प्राप्त करना आदि की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। साक्षर तो घोटालेबाज केतन पारेख हर्षद मेहता एवं कुख्यात आतंकवादी ओसामा बिन लादेन भी थे, किंतु इनकी शिक्षा की सार्थकता समाज द्वारा सदैव नापसंद की गई एवं समाज इन्हें हेय दृष्टि से देखने लगा है। आज के संदर्भ में ऐसी शिक्षा या साक्षरता की आवश्यकता है, जो मानव जीवन में मूल्यों का विकास एवं मूल्यों की प्रतिबद्धता विकसित कर सके। जिससे समाजिक गिरते मूल्यों तथा विरासत की अवहेलना ना हो सके। बिना मूल्यों के बिना संस्कृतिक विचारधारा के साक्षर होना ठीक उसी तरह है जैसे किसी बंदर के हाथ में बंदूक या उस्तरा देना है। हमें आज नैतिक साक्षरता देने की आवश्यकता होगी, जिससे व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास विरासत की रक्षा तथा मानवीय संवेदनाओं का संपुट हो, जो व्यक्ति को एक अच्छा इंसान बना सकें। और इस सभ्य समाज में स्त्रियों के प्रति अत्याचार, दुराचार तथा बलात्कार जैसी घृणित मानसिकता पैदा ना हो सके और मौमिता देवनाथ जैसी पढ़ी-लिखी और उस जैसी अन्य बालिकाओं को फिर अत्याचार दुराचार का सामना न करना पड़े।

आज का इतिहास

20 अगस्त की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- उत्तरी इजीरयली शहर अक्को में राजा रिचर्ड प्रथम ने 20 अगस्त 1191 में 3000 मुस्लिम कैदियों की हत्या करवाई।
- पूर्वी एशिया से डच ईस्ट इंडिया कंपनी का पहला जहाज 1597 में वापस आया।
- इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच 20 अगस्त 1641 में शांति समझौता हुआ।
- राजा राम मोहन राय के ब्रह्म समाज के पहले सत्र का आयोजन 1828 में कलकत्ता (अब कोलकाता) में संपन्न हुआ।
- रोनाल्ड रॉस ने 1897 में कलकत्ता(अब कोलकाता) के प्रेसिडेंसी जनरल हॉस्पिटल में काम करने के दौरान मलेरिया के कारक एनोफिलीज मच्छर की पहचान की।
- फ्रांस के एडोल्फ 1913 में पेगोड पैराशूट के जरिए विमान से उतरने वाले पहले पाइलट बने।
- मोप्ला् विद्रोह 1921 में केरल के मालाबार क्षेत्र्में शुरू हुआ।
- यूरोपीय देश हंगरी में संविधान को 1949 में अंगीकार किया गया।
- फ्रांसीसी सेनाओं ने 1953 में मोरक्को के सुल्तान सीदी मोहम्मद बिन यूसुफ को गददी से हटाया।
- मोरक्को और अल्जीरिया में 1955 को फ्रांस-विरोधी दंगों में सैकडों लोग मारे गए।
- ओहियो में विल्बरफोर्स यूनिवर्सिटी की स्थापना 1856 में हुई।
- सोवियत संघ ने 1962 में नोवाया जेमल्या में परमाणु परीक्षण किया।
- तत्कालीन सोवियत रुस ने 1972 में भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।
- अमेरिका के वोयागेर दो अंतरिक्षयान को 1977 में प्रक्षेपित किया गया।
- प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने 1979 में अपने पद से इस्तीफा दिया।
- पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल जिया उल हक का 1988 में हवाई दुर्घटना में निधन एवं सीनेट के सभापति गुलाम इशहाक ख़ान राष्ट्रपति बने।
- भारत और नेपाल में 1988 को 6.5 की तीव्रता वाले भूकंप से एक हजार लोगों की मौत हुई।
- उत्तरी यूरोपीय देश इस्तोनिया ने 1991 में तत्कालीन सोवियत रुस संघ से अलग होने की घोषणा की।
- सं.रा.अमेरिका द्वारा क्यूबा के शरणार्थियों को 1994 में आश्रय देने की 28 वर्ष की पुरानी नीति को समाप्त करने की घोषणा।
- पुरूषोत्तम एक्सप्रेस और कालिंदी एक्सप्रेस के आमने सामने की टक्कर में 1995 को 350 लोगों की मौत हो गई।

टापुर बांध की चादर से गिरे युवक का दूसरे दिन मिला शव लोगो ने बांध के यहां सुरक्षा व्यवस्था पर उठाये सवाल

बढ़ता राजस्थान

नटवाड़ा (नि.स.)। शिवाड़ से 10 किलोमीटर दूर स्थित टापुर डेम पर रविवार सुबह एक युवक के पैर फिसलने से चादर के साथ नीचे बहने की सूचना प्रशासन को मिली थी । जिसके बाद प्रशासन और स्थानीय लोगो द्वारा उस युवक का सर्च ऑपरेशन चलाया गया था मगर सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ टीम द्वारा सुबह से शाम तक सर्च करने के बाद भी रविवार को युवक का पता नही लग सका था । स्थानीय लोगो ने भी अपने स्तर पर युवक का पता लगाने के लिए काफी प्रयास किये मगर रविवार शाम अंधेरा होने के कारण सर्च ऑपरेशन

बन्द करना पड़ा । उसके बाद सोमवार को प्रात: करीब 7.30 बजे पानी मे बहे युवक गंगापुरा तहसील निवाई निवासी सुरेश बैरवा (20) की लाश वही चादर के पानी मे पानी से फूल जाने के कारण तैरती हुई मिली जिसे स्थानीय लोगो द्वारा निकाला गया उसके बाद प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुँचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए शिवाड़ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां उसका पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपा गया। जानकारी के अनुसार युवक रविवार प्रात: करीब 9 बजे टापुर डेम की चादर को रेलिंग से पार कर रहा था और इसी बीच उसका संतुलन बिगड़ने और काई से पैर फिसलने से वो सीधा 100 फ़ीट नीचे पानी के साथ आ गया ।

सुरक्षा व्यवस्था पर ग्रामीणों ने उठाये सवाल : टापुर डेम पर जहां विभाग 8 सुरक्षा कर्मी होने का दावा कर रहा है वही लोगो का कहना है कि यदि 8 सुरक्षाकर्मी वहां थे तो बांध के बीच मे दीवार के सहारे रेलिंग से युवक कैसे पहुंचा उसे रोका क्यो नही गया ? एवं बांध के फूल होकर लगातार 18 दिन से चादर चलने के बाद भी यहां गोताखोर की व्यवस्था विभाग द्वारा क्यो नही की गई है साथ ही यहां रेलिंग भी क्षतिग्रस्त है उसे विभाग सालों से सही क्यो नही करवा रहा है और ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने कभी ढील बांध पर 8 सुरक्षाकर्मी नही देखे जबकि विभाग वहां 8 सुरक्षाकर्मी का दावा कर रहा है । लोगो ने अब भी यहां सुरक्षाकर्मी लगाने और गोताखोर लगाने की मांग की है जिससे यहां अन्य कोई हादसा नही हो ।

कोटडा के ग्रामीणों ने किया मित्रपुरा थाने का घेराव, अधेड़ से हुई मारपीट के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (नि.स.)। मित्रपुरा तहसील क्षेत्र के कोटडा गांव के दर्जनों लोगों ने आज मित्रपुरा थाने का घेराव कर विरोध-प्रदर्शन किया। साथ ही पुलिस के खिलाफ नारेबाजी भी की। प्रदर्शनकारियों के मुताबिक पुरानी रंजिश को लेकर कोटड़ा गांव के निवासी 55 वर्षीय चौथमल सैन को कल 8-10 लोगों ने बेरहमी से मारा-पीटा। इससे वह गंभीर घायल हो गया और एसएमएस अस्पताल में भर्ती है। इसी घटना को लेकर कोटड़ा गांव के ग्रामीणों ने विरोध-प्रदर्शन किया। साथ ही आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की।

सरीये व पाइप से किया हमला

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि चौथमल पुत्र प्रभुलाल निवासी कोटडा दोपहर में मोटरसाइकिल से जयपुर से कोटडा गांव आ रहा था। आरोपी राजू गुर्जर, दारा सिंह गुर्जर, मनकेश गुर्जर, राय सिंह गुर्जर व अन्य 6-7 लोग सरीये व पाइप लेकर आए और उस पर हमला कर दिया जिससे उसके हाथ पैर टूट गए। मौके से गुजर रहे लोगों ने बमुश्किल चौथमल को बचाया और उसके परिजनों को सूचना दी। इसके बाद चौथमल को मित्रपुरा ष्ट।ष्ट लाया गया। मित्रपुरा थाना पुलिस ने घायल के पर्चा बयान के आधार पर मारपीट की अलग-अलग धाराओं में प्रकरण दर्ज किया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि पहले भी पीड़ित पक्ष की ओर से मित्रपुरा थाना पर आरोपियों के विरुद्ध धमकी देने व मारपीट करने को लेकर शिकायतें दी गई थीं, लेकिन थाना पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। ऐसे में कोटड़ा गांव के ग्रामीणों ने पुलिस के विरुद्ध आक्रोश जाहिर करते हुए आरोपियों को शीघ्र ही गिरफ्तार करने की मांग की है। मित्रपुरा थाना पुलिस ने ग्रामीणों को लगभग एक घंटे तक समझाकर आरोपियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया, तब जाकर मामला शांत हुआ। एसएचओ यशपाल ने बताया की दोनों पक्षों में लंबे समय से जमीनी रंजिश को लेकर विवाद चल रहा है। पूर्व में दोनों ही पक्षों को पाबंद किया जा चुका है। वहीं दोनों ही पक्षों की ओर से सामान्य मारपीट के पारस्परिक मामले भी दर्ज हैं। कल चौथमल नाई से हुई मारपीट को लेकर मित्रपुरा थाना पुलिस ने पर्चा बयान के आधार पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। मामले की तहकीकात की जा रही है। एसएचओ यशपाल ने बताया कि प्रकरण में निष्पक्ष अनुसंधान कर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

युवक की मौत पर गुस्साए परिजन, थाने में दिया धरना:अवैध मादक पदार्थ कारोबार में लिप्त युवकों ने की थी मारपीट

बढ़ता राजस्थान

दूनी(नि.स.)। दूनी थाना क्षेत्र के निवारिया के रहने वाले युवक की जयपुर में इलाज के दौरान मौत होने से परिजनों का पुलिस के खिलाफ सोमवार को गुस्सा फूट पड़ा। मृतक के परिजन दूनी थाने में धरने पर बैठ गए और हत्यारों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। इस दौरान परिजनों ने पुलिस पर आरोप भी लगाया कि मृतक के साथ करीब डेढ़ माह पहले आरोपी युवकों ने गंभीर मारपीट की थी। पुलिस ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की, इसलिए उन्होंने फिर से ड्रग्स में जहरीला पदार्थ मिलाकर मृतक को रविवार को पिला दिया। इससे उसकी जयपुर में मध्य रात बाद अस्पताल में मौत हो गई। करीब तीन घंटे तक धरने बैठे परिजन और ग्रामीण को पुलिस ने आश्वस्त किया कि आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उसके बाद शाम 4 बजे लोग धरने से उठे। परिजनों ने बताया कि पोल्याडा के रहने वाले आठ-दस युवक आसपास के युवकों को बरगला कर नशे की लत में डुबो रहे हैं। इनके चुंगल में निवारियां निवासी लोकेश जाट (27) भी फंस गया। उसके ड्रग्स की ऐसी लत डाली कि उसके पास रुपये नहीं थे तो भी उसे उधार ड्रग्स दे देते थे। फिर वे युवक रुपये नहीं देने पर मारपीट करते थे। ऐसे ही लोकेश के साथ भी ड्रग्स पिलाने के रुपये नहीं होने पर 6 जुलाई को देवली जाते समय लोकेश को निवारिया नहर के पास रोककर सौरभ सांसी, सुधीर सांसी समेत चार जनों ने बेट आदि से मारपीट की। उसके बाद इसकी रिपोर्ट दूनी थाने में कराई गई, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की तो इन आरोपियों के हौसला बढ़ गया। आरोपी रविवार 5.30 बजे सौरभ पुत्र राकेश, धीरज पुत्र अपेन्द्र, भुपेन्द्र पुत्र देवर सिंह (प) क्रिस्टी पुत्री राकेश, राकेश पुत्र शंकर, सुधीर पुत्र रमेश आदि लोकेश के घर पर आये और लोकेश को ड्रग्स में अज्ञात जहरीला पदार्थ मिलाकर दे दिया। उस समय लोकेश के माता पिता खेत पर थे। आरोपी घर से निकलते समय लोकेश के परिजन घर आए, लेकिन वे बाइक पर बैठकर फरार हो गए। उसके माता पिता घर में अंदर घुसे तो उनका बेटा लोकेश अचेत अवस्था में मिला। बाद में परिजन उसे देवली अस्पताल के गए। देवली से उसे हालात खराब होने से टोंक रेफर कर दिया। फिर टोंक से जयपुर रेफर कर दिया। जहां रविवार रात करीब डेढ़ बजे उसने दम तोड़ दिया। इससे गुस्साए मृतक के परिजन और ग्रामीण सोमवार दोपहर करीब एक बजे थाने पहुंचे और हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग करते हुए धरना दिया। करीब 3 घंटे में धरना खत्म हुआ।

10 लाख की धोखाधड़ी करने का आरोपी गिरफ्तार, मानटाउन पुलिस ने 4 साल से फरार वांछित आरोपी को गाजियाबाद से पकड़ा

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (नि.स.)। मानटाउन थाना पुलिस ने सर्जिकल मास्क सप्लाई के बहाने 10 लाख रूपए की धोखाधड़ी करने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चन्द्रवीर सिंह उर्फ डॉ. सीवी सिंह उर्फ दीपक यादव (45) पुत्र बृजमोहन यादव निवासी ग्राम आलमपुर सिरसा गंज जिला फिरोजाबाद उत्तप्रदेश हाल निवासी बी-8/29; मुना विहार, गढी मेंदु पुलिस थाना भजनपुरा जिला- नार्थ ईस्ट दिल्ली को गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से डिटेन किया है। उसे पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी जगदीश प्रसाद ने बताया कि 05 दिसम्बर 2020 को विष्णु गर्ग निवासी गणेश पीपली के पास शहर सवाई माधोपुर थाना कोतवाली की ओर से कोर्ट में इस्तगासा दायर कर रिपोर्ट कराई थी। रिपोर्ट में विष्णु ने बताया कि उसकी फार्मेसी फर्म को कोरोना काल में सर्जिकल मास्क की जरूरत होने पर दिल्ली? की फर्म के हैड सी वी सिंह यादव उर्फ दीपक यादव से सम्पर्क कर रेट तय कर 50 हजार सर्जिकल मास्क का आर्डर किया। आरोपी की ओर से उससे 10 लाख रूपए एडवांस मांगे गए। जिस पर विष्णु गर्ग ने आरटीजीएस के जरिए 10 लाख एडवांस पेमेन्ट कर दिया, लेकिन आरोपी की ओर से मास्क की डिलेवरी नहीं की गई। रुपए वापस मांगने पर आरोपी ने रुपए भी वापस नहीं किए। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज जांच शुरु की। इसी मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

एसटी-एससी आरक्षण में उपवर्गीकरण के निर्णय के विरोध में आक्रोश रैली 21 को

बढ़ता राजस्थान

निवाई(का.स.)। माननीय सुप्रीम कोर्ट के एसटी-एससी आरक्षण में उपवर्गीकरण के निर्णय के विरोध में सामाजिक संगठनों द्वारा 21 अगस्त को भारत बंद का आह्वान किया गया है। अम्बेडर मंच के पूर्व अध्यक्ष रामगोपाल सेवलिया ने बताया कि आरक्षण में उपवर्गीकरण के निर्णय के विरोध में आरक्षण मंच निवाई द्वारा शांति पूर्ण बंद रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि इसको लेकर 21 अगस्त को सुबह 9 बजे डाक बंगले से आक्रोश रैली रवाना होकर शहर के मुख्य मार्गो से होकर अहिंसा सर्किल पहुंचेगी। जहां सभा के बाद महामहिम राष्ट्रपति के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया जाएगा।

श्री बद्रीनाथ धाम में सहस्त्र घट जलधारा से एक लाख 1008 घड़ों से किया भगवान नाटेश्वर महादेव का जलाभिषेक

बढ़ता राजस्थान

नटवाड़ा(नि.स.)। नटवाड़ा कस्बे में श्री बद्रीनाथ धाम में स्थित नाटेश्वर महादेव मंदिर में गढ़आगला जाट समाज के तत्वावधान में श्रावण महोत्सव के दौरान पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार को शिव सहस्त्र घट का आयोजन किया गया। जिसमे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान नाटेश्वर महादेव का रूद्राभिषेक किया गया। सहस्त्र घट अनुष्ठान में शिव भक्तों ने हर हर महादेव एवं ओम नम: शिवाय के जयकारों के साथ से भोले को जल चढ़ाया एवं शिव परिवार की मनोरम झांकी सजाई। इस अवसर पर सुबह वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पीठ पूजन किया गया। इसके बाद मंत्रोच्चार के साथ रुद्र का पाठ किया।

इस दौरान श्रद्धालुओं ने एक लाख एक हजार आठ घड़ों से भगवान नाटेश्वर महादेव का सहस्त्र घट रुद्राभिषेक किया। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना कर महादेव का दुग्धाभिषेक व जलाभिषेक किया। अभिषेक के बाद भगवान नाटेश्वर महादेव एवं श्री बद्री विशाल भगवान का श्रृंगार कर महाआरती उतारी। अंत में महाप्रसादी का आयोजन हुआ।

देवली-उनियारा उप चुनाव पर्यवेक्षक सांसद रामवीरसिंह विधूडी का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

बढ़ता राजस्थान

निवाई(का.स.)। सांसद रामवीरसिंह विधूडी का सोमवार की सुबह देवली जाते समय भारतीय जनता पार्टी के अरनिया मंडल अध्यक्ष देवराज गुर्जर के नेतृत्व में गांव गुंसी में सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। अध्यक्ष देवराज गुर्जर ने बताया कि दक्षिण दिल्ली सांसद रामसिंह विधूड़ी को देवली विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उप चुनाव में पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। वह देवली विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं के साथ आवश्यक बैठक में भाग लेने जा रहे थे। इस दौरान शिवराज गुर्जर, रामकिशन गुर्जर, राजाराम चूराडा, पूर्व सरपंच शंकर सैनी व विक्रम डोई सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

शहर के श्री गौरी शंकर महादेव, मायला कुंड शिवालय व कृषि मंडी स्थित श्री लक्ष्मण नारायण मंदिर शिवालय में एक माह से चल रहे अखंड सहस्त्र घट की हुई पूर्णाहुति

बढ़ता राजस्थान

निवाई(का.स.)। श्रावण मास में चल रहे अखंड सहस्त्र घट की सोमवार को पूर्णिमा के पावन अवसर पर पूर्णाहुति हुई। रक्तांचल पर्वत की तलहटी में स्थित श्री गौरीशंकर महादेव मंदिर, कृषि मंडी स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर व मायला कुंड शिवालय में अखण्ड सहस्त्र घट की पूर्णाहुति हुई।

श्री गौरी शंकर महादेव मंदिर विकास समिति के सुरेंद्रकुमार दाधीच नला ने बताया कि मायला कुंड पर स्थित शिवालय में सहस्त्र घट के बाद भगवान भोलेनाथ के छप्पन भोग की झांकी सजाई गई। श्रीगौरी शंकर महादेव मंदिर में आचार्य पं. अरविंद शास्त्री के निर्देशन में पंडित नवरत्न शर्मा, अवधेश शर्मा, हनुमान शर्मा, गोविंद दाधीच व तुषार शर्मा के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ की विधि विधान से पूजा अर्चना की। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ व शिव पंचायत का दूध, दही, शहद, शक्कर, गन्ना रस, भांग व बील रस से अभिषेक किया। हजारों घड़ों से लगातार 2 घंटे तक अभिषेक किया। इसके बाद फूलों से श्रृंगार कर आरती कर भगवान का फूलों से श्रृंगार कर झांकी सजाई गई। तत्पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसादी जिमाई गई। इसी प्रकार कृषि मंडी स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर शिवालय में आचार्य पंडित रामकल्याण शास्त्री व मायला कुंड शिवालय में आचार्य पंडित हनुमान शास्त्री पराणा के निर्देशन में एक माह तक चले सहस्त्र घट की पूर्णाहुति हुई।

बाइकों की भिड़ंत में पिता-पुत्र घायल, मां सही सलामत

बढ़ता राजस्थान

निवाई(का.स.)। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित होटल आरजे 26 के समीप दो बाइकों की भिड़ंत में पिता पुत्र घायल हो गए। थानाधिकारी हरिराम वर्मा ने बताया कि जयपुर कोटा राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो बाइकों में भिड़ंत हो गई। इस दुर्घटना में बृजमोहन पुत्र रामरतन शर्मा अपनी पत्नि व पुत्र मुकेश पुत्र बृजमोहन शर्मा निवासी अर्चना स्कूल के पास सांगानेर बाईक पर सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान निवाई बाईपास पर एक होटल के समीप सामने से आ रही मोटरसाईकिल से भिडंत हो गई। दुर्घटना में पिता-पुत्र घायल हो गए। जिनको 108 एंबुलेंस से राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय में उपचार के लिए भर्ती करवाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बृजमोहन व मुकेश को जयपुर रैफर कर दिया। उन्होंने बताया कि बाईक पर सवार महिला के चोट नही आई है। तीनों प्रात: 8 बजे अपने रिश्तेदार की तीये की बैठक में शामिल होकर सवाईमाधोपुर जिले के खंडार से वापस लौट रहे थे।

बस्सी से घुश्मेश्वर महादेव शिवाड़ के लिए कांवडिया रवाना

बढ़ता राजस्थान

निवाई(का.स.)। श्रावण माह के अंतिम सोमवार को गांव बस्सी से शिवाड़ के लिए युवाओं ने डीजे के साथ भव्य कांवड़ यात्रा रवाना हुई। कांवड़ यात्रा में 51 से अधिक युवा शामिल हुए। महादेव के भक्त ईश्वर कसाणा, लेखराज हरसाणा, बसराम हरसाणा, रामलाल सिराधना ने बताया कि सार्वजनिक तालाब से जल कांवड़ में भरकर सभी युवा कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। कांवड़ यात्रा सार्वजनिक तालाब से जल भरकर गांव के मुख्य मार्ग से होते हुए रवाना हुई। कावड़ यात्रा तेजाजी मंदिर, मैन चौराहा, देवनारायण मन्दिर से होकर खेड़ा चौराहा, खोड़ा का खेड़ा, बहड मोड़ व भैरुबुल्या से होकर शिवाड़ पहुंची जहां ग्रामीणों ने कांवडियों को जलपान, चाय व नाश्ता करवाया गया। कावड़ में युवा जल से भगवान घुश्मेश्वर ज्योतिर्लिंग शिवाड़ का जलाभिषेक कर पूजन किया। गांव के मुख्य मार्ग से निकले कांवडियों का जगह-जगह पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

दो दशक पहले के शिष्यों ने अपने गुरुओं का सम्मान किया

पुरानी यादों को ताजा करते हुए अपने अध्यापकों के सामने दरी पट्टी पर बैठे विद्यार्थी

बढ़ता राजस्थान

देवली (गोविंद सिंह सेठी)। यदि 20 वर्ष पूर्व स्कूल के दौरान पढ़ने वाले शिक्षक और साथ पढ़ने वाले दोस्त मिल जाए तो इससे अधिक खुशी और क्या हो सकती है। ऐसी ही खुशियां क्षेत्र के बोरड़ा गणेश मंदिर परिसर में दिखाई पड़ी। जहां 20 वर्ष के लंबे अंतराल के बाद पूर्व अध्यापक और स्टूडेंट का स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। गुरु और शिष्यों के स्नेह मिलन कार्यक्रम में। अपनी पुरानी यादों को ताजा करने के लिए पूर्व की भांति स्कूल की क्लास की तरह सभी पूर्व स्टूडेंट बच्चों के समान दरी पट्टी पर बैठकर अपने गुरुओं से शिक्षा प्राप्त की । इस कार्यक्रम संयोजक कुलदीप चौधरी ने बताया कि वर्ष 2000 से 2007 तक हायर सेकेंडरी देवली में अध्यनरत स्टूडेंट ने एक बार फिर स्कूल की तरह शिक्षकों व अपने साथियों से मिलने का विचार बनाया। इसे लेकर करीब 3 सप्ताह की मेहनत के बाद एक एक स्टूडेंट से संपर्क किया। वहीं टीचर्स को भी इस कार्यक्रम की जानकारी दी गई। रविवार दोपहर 3 बजे यह बोरड़ा गणेश मंदिर परिसर में गुरु शिष्य स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान पूर्व शिक्षक राजेंद्र शर्मा, प्रभुलाल वर्मा, गिरधर सिंह शक्तावत, शिवराज जाट, बद्रीलाल चौधरी, अशोक चौधरी, सुरेश पंचोली, राजेश पारीक, अनीता चौहान, महावीर पत्रिया, तुलसीदास, चंद्र प्रकाश माहेश्वरी, अनीता लाठी समेत शिक्षको को कुर्सी पर बिठाकर बारी-बारी से सभी शिष्यों ने माल्यार्पण किया ।और साफा बांधकर अभिनंदन किया। इस मौके पर शिष्यों ने सभी टीचर्स को उपहार दिए। इस दौरान यह प्यार व स्नेह पाकर शिक्षक गदगद हो उठे। इस अवसर पर गुरु और शिष्यों कीआंखों में नमी देखी गई । उपस्थित सभी गुरुजनों ने इस सत्कार के लिए सभी विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। शिक्षकों ने कहा कि जो स्टूडेंट अपने गुरु को मान,सम्मान देता है। शिक्षा भी ऐसे ही स्टूडेंट को पहले फलीभूत होती है। इस मौके पर पौधारोपण किया गया। वहीं सभी शिष्यों गुरुजनों के साथ बनास नदी में नौकायन किया। इस कार्यक्रम समापन पर शिष्यों ने गुरुजनों को भोजन प्रसादी ग्रहण करवाई । एवम मंच संचालन खिवराज सिंह राठौड़ ने किया, जो इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए नागौर से देवली पहुंचे।

लंबे समय के चलते भूल गए चेहरे : इस दौरान जब टीचर्स कार्यक्रम में आए तो इनमें अधिकांश शिक्षक सेवानिवृत हो चुके हैं। वही 20 वर्ष के लंबे अंतराल की वजह से वह अपने स्टूडेंट के चेहरे तक भूल गए। लिहाजा सभी स्टूडेंट ने बारी बारी से अपना परिचय व प्रोफेशन की जानकारी दी। इस बीच आरएएस अधिकारी एवं निंबाहेड़ा में एसडीएम पद पर कार्यरत विकास पंचोली का भी शिक्षकों ने अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में विभिन्न राजकीय सेवाओं में चयनित, जर्नलिस्ट, व्यापारी, बिजनेसमैन, शिक्षक, किसान, होटल संचालक, सेल्फ़ बिजनेस समेत प्रोफेशन पर काम करने वाले स्टूडेंट शामिल हुए। कार्यक्रम में मनीष बलसोरा, कुलदीप चौधरी, निखिल जैन, नीरज शर्मा, अमित पंचोली, नंद गणेश साहू समेत का विशेष योगदान रहा।

आरक्षण अधिकार मंच का भारत बंद को समर्थन

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति को लेकर आए फैसले पर विरोध हुआ तेज

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। आरक्षण अधिकार मंच राजस्थान की प्रदेश कार्याकारिणी की बैठक प्रदेश अध्यक्ष राजाराम मील की अध्यक्षता में समपन्न हुई। जिसमें उच्चत्तम न्यायालय द्वारा 1 अगस्त 2024 के निर्णय में अनुसूचित जाति, जनजाति समाज के विरूद्ध आए फैसले को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में प्रमुद्धजनों ने इस फैसले को संविधान सम्मत नही बताया। वे बोले- सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से जातियों में आपस में वर्ग-भेद होगा तथा इससे समाज विखंडित होगा और ऐसा करना राष्ट्रहित में उचित नही है। आरक्षण अधिकार मंच के अध्यक्ष राजा राम मील ने कहा कि राज्य सरकारें अपने राजनैतिक लाभ के लिए जातियों, उपजातियों को अपने पक्ष में करके वैमन्यस्यता फैलाने का काम करेगी। संविधान की धारा 341 व 342 में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति को एक सजातीय (होमोजिनियस) वर्ग के रूप में मान्यता दी गई है और इसमें किसी भी प्रकार का जोड़ने व घटाने का अधिकार संविधान ने राष्ट्रपति व संसद को प्रदत्त किया है, जबकि उच्चत्तम न्यायालय ने यह अधिकार राज्य सरकारों को देकर असंवैधानिक निर्णय पारित किया है। वे बोले-आरक्षण अधिकार मंच राजस्थान इस निर्णय का विरोध करता है और देश में जातिय जनगणना की भी पूरजोर मांग करता है तथा अल्पसंख्यक वर्ग के प्रतिनिधियों की तरफ से रखे गए प्रस्ताव के आधार पर, वक्फ बोर्ड अधिनियम में प्रस्तावित संसोधन का भी विरोध करता है।

शादी का वादा कर युवती से तीन साल तक दुष्कर्म

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। करणी विहार थाना इलाके में दोस्ती कर एक युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीडिता का आरोप है कि आरोपित शादी का वादा कर तीन साल तक दुष्कर्म करता रहा। शादी का दबाव बनाने पर दोस्त के साथ मिलकर प्रताडित करना शुरू कर दिया। जिसके चलते पीड़िता ने आरोपित और उसके दोस्त के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। थानाधिकारी गजेन्द्र सिंह बताया कि बिंदायका निवासी 25 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि साल-2021 में उसकी जान-पहचान हुई थी। बातचीत के दौरान दोनों में दोस्ती हो गई। अच्छे दोस्त होने के कारण आपस में मिलना-जुलना शुरू हो गया। आरोप है कि मिलने के बहाने आरोपित ने गांधी पथ पर बुलाया। मिलने जाने पर आरोपित दोस्त ने अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर शादी करने का वादा किया। शादी का झांसा देकर लगातार पिछले तीन साल तक देहशोषण करता रहा। शादी करने का दबाव बनाने पर अपने दोस्त के साथ मिलकर उसे और उसके परिवार को प्रताडित करने लगा। परेशान होकर पीड़िता ने आरोपित व उसके दोस्त के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

स्कूल-मॉल में बम की सूचना पर मचा हड़कंप, फिर किसी सिरफिरे ने किया ई-मेल

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। राजधानी जयपुर में रक्षाबंधन के दिन हड़कंप मच गया जब किसी सिरफिरे ई-मेल कर स्कूल और मॉल में बम होने की सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस टीमें मौके पर भेजी गई। सर्च शुरू किया गया। फिलहाल पुलिस को सर्च के दौरान किसी तरह की कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। पुलिस टीम की ओर से मेल करने वाले का आईपी एड्रेस सर्च किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह करीब ग्यारह बजे दिल्ली पब्लिक स्कूल में बम होने की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को मिली। इस पर एटीएस, इमरजेंसी रिस्पांस टीम (ईआरटी) और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंच कर सर्च अभियान शुरू किया है। इसके बाद आदर्श नगर स्थित पिंक स्क्वायर मॉल में बम की सूचना से पुलिस दोबारा से हरकत में आई। पुलिस ने मॉल को खाली कराया और बम निरोधक दस्ते की मदद से मॉल में सर्च किया। पुलिस ने बताया कि धमकी का मेल अंग्रेजी में लिखा है कि आप कष्ट के अलावा कुछ भी पाने के पात्र नहीं हैं। मुझे मानवता से नफरत है। तुम में से कोई भी जीने लायक नहीं है। मैं तुम सब को मार दूंगा। मेल मिलने पर मॉल के सिक्योरिटी इंचार्ज ने पुलिस कंट्रोल रूम को जानकारी दी। इस पर पुलिस टीमें मौके पर पहुंची। टीमों ने मॉल में मौजूद लोगों को बाहर किया। सर्च शुरू किया। पुलिस मान रही है कि कोई पुलिस को परेशान करने के लिए इस तरह से मेल और मैसेज कर रहा है। फिलहाल पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। गौरतलब है कि रविवार को भी जयपुर के मोनिलेक और सीके बिरला समेत राजस्थान के सौ से ज्यादा हॉस्पिटल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। सर्च के बाद अफवाह निकली। कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली थी। इसके बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली।

डेयरी कलेक्शन एजेंट से कार सवार बदमाशों ने लूटे आठ लाख रुपए

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। बजाज नगर थाना इलाके में बाइक सवार डेयरी कलेक्शन एजेंट से कार सवार बदमाशों ने आठ लाख रुपए लूट लिए। लूट का शिकार हुआ कलेक्शन एजेंट चिल्लाते हुए उनका पीछा भी किया,लेकिन बदमाश फरार हो गए। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेकर इलाके में नाकाबंदी भी करवाई,लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं लग पाया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) मालवीय नगर आदित्य पूनिया ने बताया कि बजाज नगर थाना इलाके में स्थित एजी कॉलोनी के पास यह लूट की वारदात हुई है। यहां स्विफ्ट कार में आए बदमाशों ने बाइक पर सवार डेयरी कलेक्शन एजेंट फुरकान अली को टक्कर मारी। कलेक्शन एजेंट के सड़क पर गिरते ही कार सवार बदमाश नकदी भरा बैग लेकर फरार हो गए। सूचना मिलने पर नाकाबंदी कराई गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि फुरकान अली झालाना डूंगरी से डेयरी कलेक्शन के रुपए लेकर बजाज नगर जा रहा था। बीच रास्ते में ही कार सवार बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। सड़क पर गिरने के बाद पीड़ित फुरकान अली चोटिल हो गया। इसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल से घटना को लेकर पूछताछ की गई। इसके बाद पुलिस ने जेएलएन मार्ग और आसपास के इलाकों में लगे हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले। एक फुटेज में आरोपित झालाना आरटीओ कार्यालय से जवाहर नगर की ओर भागते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस इन बदमाशों का सीसीटीवी की मदद से पीछा कर उन्हें चिन्हित करने में लगी है।

कोलकाता रेजीडेंट प्रकरण : चिकित्सा मंत्री स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने अचानक पहुंचे एसएमएस एवं सेटेलाइट अस्पताल

बढ़ता राजस्थान

जयपुर,(का.स.)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर कोलकाता रेजीडेंट प्रकरण के कारण चिकित्सकों के कार्य बहिष्कार के दृष्टिगत स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने रविवार सुबह अचानक जयपुर के एसएमएस अस्पताल एवं सेठी कॉलोनी स्थित राजकीय सेटेलाइट अस्पताल पहुंचे। उन्होंने आपातकालीन सेवाओं, आईपीडी एवं ओपीडी में निरीक्षण कर चिकित्सा सेवाओं की स्थिति देखी और चिकित्सा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।खींवसर प्रात: करीब 8.30 बजे सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले आपातकालीन इकाई में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने यहां रोगियों से बात कर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली तथा चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ को निर्देश दिए कि अस्पताल में आ रहे रोगियों को तत्काल उपचार उपलब्ध करवाया जाए। किसी भी मरीज को जांच एवं उपचार लेने में तकलीफ का सामना नहीं करना पड़े।चिकित्सा मंत्री ने जनरल वार्ड में जाकर आईपीडी सेवाओं का भी निरीक्षण किया। वे रोगियों से मिले और उनसे पूछा कि चिकित्सकों के कार्य बहिष्कार के कारण उन्हें उपचार लेने में किसी तरह की कठिनाई तो नहीं है। रोगियों ने बताया कि उन्हें शनिवार को चिकित्सकों की हड़ताल के दौरान भी समुचित जांच एवं उपचार की सुविधा मिली। चिकित्सा मंत्री ने रजिस्ट्रेशन काउंटर एवं अन्य चिकित्सा सुविधाओं का भी जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान सवाई मानसिंह अस्पताल में आपातकालीन इकाई, वार्ड्स, आईसीयू सहित अन्य स्थानों पर स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू पाई गईं। इसके बाद चिकित्सा मंत्री सेठी कॉलोनी स्थित राजकीय सेटेलाइट अस्पताल में चिकित्सा सुविधाओं का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने यहां आपातकालीन सेवाओं की स्थिति देखी और रोगियों से बातचीत की। साथ ही, ओपीडी एवं आईपीडी सेवाओं का भी अवलोकन किया। यहां भी सभी सेवाएं सुचारू पाई गईं। इस दौरान मीडिया से बातचीत में चिकित्सा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को बेहतर चिकित्सा सेवाएं सुगमतापूर्वक उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कोलकाता में महिला रेजीडेंट चिकित्सक के साथ हुई घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके चलते देशभर में चिकित्सक समुदाय में रोष व्याप्त है और कार्य बहिष्कार की स्थिति उत्पन्न हुई है, लेकिन प्रदेश में सभी जिलों में वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रोगियों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। श्री खींवसर ने बताया कि कार्य बहिष्कार की स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों के अवकाश निरस्त कर दिए गए थे। वैकल्पिक व्यवस्थाओं के तहत चिकित्सकों की आपातकालीन इकाई, आईपीडी आदि में रोटेशन के आधार 24 घंटे उपस्थिति सुनिश्चित की गई। कंट्रोल रूम स्थापित किया तथा हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी की गई। इसके चलते किसी भी स्थान पर चिकित्सा सेवाओं को लेकर अप्रिय स्थिति पैदा नहीं हुई है। ओपीडी, आपातकालीन सेवाओं एवं आईपीडी में रोगियों को समुचित उपचार मिल रहा है। श्री खींवसर ने कार्य बहिष्कार कर रहे चिकित्सकों से अपील की है कि प्रकरण को लेकर उनका विरोध राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार के संज्ञान में है और इस दिशा में उचित कार्यवाही के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रदेश के अस्पताल में चिकित्सकों की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि आमजन एवं रोगियों के हित में चिकित्सक तत्काल काम पर लौटें और जीवन रक्षा का दायित्व निभाएं। उन्होंने अस्पतालों में रोगियों के उपचार में जुटे चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया। चिकित्सा मंत्री के निरीक्षण के दौरान सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, राजकीय सेटेलाइट अस्पताल के अधीक्षक डॉ. गोर्वधन मीणा, एसएमएस अस्पताल के अतिरिक्त अधीक्षक डॉ. गिरधर गोयल सहित अन्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

बेकाबू ट्रक की चपेट में आने से एक कांवड़िए की मौत

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। बनीपार्क थाना इलाके में स्थित अम्बाबाड़ी के पास सोमवार एक ट्रक की चपेट में आने से कांवड़िए की मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को एसएमएस अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले की जांच सड़क दुर्घटना थाना (पश्चिम) कर रही है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। एएसआई रघुनंदन ने बताया कि सोमवार सुबह सवा चार बजे गैस कम्पनी का ट्रक बेकाबू हो गया था। उसने कांवड़ यात्री अशोक कुमार जांगिड़ (45) निवासी बैनाड़ रोड को टक्कर मार दी। जो जो बिजली विभाग में काम करते था। हादसे की जानकारी परिवार को दी गई। जिसके बाद घर में कोहराम मच गया। परिवार लोग अस्पताल पहुंचे। जहां मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कर शव उनके हवाले किया गया। पुलिस की जानकारी में सामने आया है कि हर साल की भांति मृतक अपने साथियों के साथ गलता तीर्थ से कावड़ लेकर बैनाड़ के लिए रविवार-सोमवार की मध्यरात्रि रात को निकले थे। सोमवार सुबह सवा चार बजे वह अम्बाबाड़ी के पास पहुंचे। किसी प्रकार की कोई दुर्घटना न हो, इसलिए अशोक जांगिड़ ने सभी को आगे कर खुद सबसे पीछे चलने लगा।

इसी दौरान गैस एजेंसी का एक ट्रक ने बेकाबू होकर उसे टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर घायल हो गया,जिसे एसएमएस लेकर गए,जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

रक्षाबंधन का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। रक्षाबंधन का उत्सव विजयवर्गी वैश्य समाज जयपुर जगतपुरा के अध्यक्ष बनवारी लाल विजय के नेतृत्व में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्याम तालाब वाले मानसरोवर, अशोक नारायणपुर वाले जामडोली, विमला, गीता, पुष्पा, राकेश मानसरोवर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। यह आयोजन समाज में भाई-बहन के रिश्तों की मिठास और एकता को सुदृढ़ करने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था।

विशाल हिन्दू आक्रोश रैली का आयोजन गुरूवार को

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(नि.स.)। बांग्लादेश में हिन्दू समुदाय के उत्पीडन् व नरसंहार समेत हिन्दू समुदाय पर हुई विभिन्न साम्प्रदायिक घटनाओं के विरोध में सर्व हिन्दू समाज कोटपूतली के तत्वाधान में आगामी 22 अगस्त गुरूवार को दोपहर 03 बजे से कस्बे के कृष्णा टॉकिज के नजदीक स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर से विशाल हिन्दू आक्रोश रैली का आयोजन किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में हिन्दूओं पर हुये अत्याचार एवं नृशंस हत्याकाण्ड की घटनाओं से देश भर की तरह कोटपूतली का हिन्दू समाज भी भारी आक्रोश में है। बांग्लादेश में जिहादी मानसिकता के लोग हिन्दूओं के मंदिरों व घरों पर हमला कर माताओं-बहनों के साथ निर्दयता व हैवानियत के साथ बलात्कार की घटनाओं को अन्जाम दे रहे है। इसी दरिंदगी के विरोध में कोटपूतली कस्बे में सर्व हिन्दू समाज द्वारा विशाल जन आक्रोश रैली का आयोजन किया जा रहा है। जो कि श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर से शुरू होकर कस्बे के विभिन्न मार्गो से निकाली जायेगी। कोटपूतली में प्रस्तावित इस रैली में हजारों की संख्या में हिन्दू समुदाय लोगों, राष्ट्रवादी संगठनों के पदाधिकारियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थानों, व्यापारियों, किसानों, छात्रों एवं राजनैतिक दलों के कार्यकर्ताओं के जुटने की उम्मीद है। उक्त प्रस्तावित रैली को लेकर स्थानीय पुलिस प्रशासन ने भी मंथन शुरू कर दिया है।

श्रीयादे माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष राज्य मंत्री टांक का कोटपूतली आगमन पर भव्य स्वागत

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली (नि.स.)। श्रीयादे माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष राज्य मंत्री प्रहलाद राय टांक का कोटपूतली आगमन पर शहर के मुख्य चौराहे स्थित रविवार को श्रीजी प्लाजा में साफा व माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया।

इस मौके पर राज्य मंत्री प्रहलाद राय टांक ने मिट्टी कला से जुड़े कामगारों की समस्याएं सुनी और उन्होंने भरोसा दिया है कि मुख्यमंत्री ने मिट्टी कला से जुड़े कामगारों को ध्यान में रखते हुए बजट 2024 - 25 में कामगारों के लिए 1000 इलेक्ट्रॉनिक चाक व मिट्टी गूथने की मशीन की घोषणा के बारे में कामगारों व समाज बंधुओ को अवगत करवाया और मिट्टी कला से जुड़े कामगारों को इसका लाभ लेने को कहा। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता राजेश प्रजापति पूतली, पत्रकार धर्मवीर कुमावत ,धर्मपाल प्रजापति, समाजसेवी साईं राधेश्याम प्रजापति, सामाजिक कार्यकर्ता नरेश मामोडिया पाथरेड़ी, चन्दगी राम प्रजापति, रणवीर प्रजापति, देवेंद्र प्रजापत, समाजसेवी दयाराम प्रजापत, लालचंद कुम्हार पूतली, वस्त्र व्यापार महासंघ महामंत्री ख्यालीराम सैनी, पुरुषोत्तम सैनी, दुर्गा प्रसाद कुमावत, रणजीत कुमावत आदि मौजूद रहे।

वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधकर मनाया गया अनूठा रक्षाबंधन

वृक्षों को भी बाधे रक्षा सूत्र : डॉ. अतुल गुप्ता

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। श्री पिंजरापोल गौशाला में अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद के अंतरराष्ट्रीय संयोजक डॉक्टर अतुल गुप्ता व हैनिमन चैरिटेबल मिशन सोसाइटी की सचिव मोनिका गुप्ता ने श्री काल भैरव भगवान के दर्शन किए तथा श्री काल भैरव भगवान को रक्षा सूत्र बांधा । इसी के साथ वृक्षों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। इसी दौरान उन्होंने नीम के वृक्ष, खेजड़ी के वृक्ष, करंज, अमला, मीठा नीम आदि वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधकर रक्षा बंधन का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस प्रकल्प के माध्यम से उन्होंने आज के समाज को यह प्रेरणा दी के रक्षाबंधन भाई बहन का रक्षा पर्व तो है ही लेकिन आज की बदलते हुए समाज में प्रकृति की रक्षा करना भी प्रत्येक व्यक्ति का मूल कर्तव्य है । इस अवसर पर डॉ अतुल गुप्ता वह मोनिका गुप्ता ने गौ माता की पूजा अर्चना कर गौ माता को भी रक्षा सूत्र बांधकर समाज के लिए एक नई प्रेरणा का आह्वान किया।

कोलकाता में ट्रेनी रेजीडेंट महिला चिकित्सक के बलात्कार व हत्या का मामला

युवाओं ने कैंडल मार्च निकालकर किया विरोध प्रदर्शन

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(नि.स.)। विगत दिनों पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता स्थित एक मेडीकल कॉलेज में कार्यरत ट्रेनी रेजीडेंट महिला चिकित्सक के द्वारा मरीज को आपातकालीन अवस्था में दिये जा रहे उपचार के दौरान बलात्कार कर हत्या कर देने की वीभत्स घटना से युवाओं में आक्रोश का माहौल है। सोमवार को ग्राम पवाना अहीर के युवाओं ने सामाजिक कार्यकर्ता अमित मेहता के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकालकर अपराधियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। युवाओं ने दोषियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग करते हुये भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति ना हो इसकी चेतावनी दी। इस दौरान बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की रक्षाबंधन पर शुभकामनाएं

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रक्षाबंधन (19 अगस्त) के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। शर्मा ने कहा कि भाई-बहन के रिश्तां की अटूट डोर का यह पर्व न केवल हमारे सांस्कृतिक मूल्यों की प्रगाढ़ता को बताता है बल्कि यह पर्व महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना को भी मजबूत करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिला सुरक्षा और महिला सशक्तीकरण को लेकर वचनबद्ध है।मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों से अपील की कि हम सब मिलकर बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने, भ्रूण हत्या को रोकने, महिलाओं के प्रति सम्मान रखने व हमारे महान सांस्कृतिक मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लें।

ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ व्यक्ति की मौत

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। मालपुरा गेट थाना इलाके में ट्रेन की चपेट में आने से अधेड व्यक्ति की मौत हो गई। लोगों की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। मृतक की शिनाख्त नहीं होने पर पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

रक्षाबंधन पर बहनों ने खेजड़ी को रक्षासूत्र बांध गाये मंगलगीत

बढ़ता राजस्थान

सरदारशहर (नि.स.)। प्रकृति संरक्षण अभियान में सोमवार को युवा शक्ति मंच संस्था के बैनर तले रक्षाबंधन के पर्व पर भाईयों की कलाईयों के साथ बहादुर सिंह कालोनी में पुराने खेजड़ी के पेड़ की पूजा-अर्चना कर रक्षा बंधन मनाया।

कार्यक्रम में शामिल लोगों ने पेड़ को राखी बांधी। संस्था के अध्यक्ष अभिषेक पारीक ने बताया कि पिछले 20 सालों से पर्यावरण संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। रक्षाबंधन के अवसर खेजड़ी के वृक्ष को रक्षा सूत्र बांधकर खेजड़ी बचाओ राजस्थान बचाओ का नारा दिया गया है। संस्था के प्रतिनिधि मदन बोहरा ने बताया कि राजस्थान की बिश्नोई जनजाति पेड़ों और वन्य जीवन को बहुत महत्व देती है। अमृता देवी बिश्नोई ने 1730 में खेजड़ी के पेड़ को गले लगाकर और राजा के आदमियों द्वारा उसे काटे जाने से रोककर अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। उन्होंने बताया कि उनके बाद 363 अन्य ग्रामीणों ने भी खेजड़ी के पेड़ों को बचाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

संस्था की कार्यकारिणी सदस्य प्रोफेसर प्राची राठोड़ ने 1973 में शुरू हुए चिपको आंदोलन को याद किया। उन्होंने कहा कि सुंदरलाल बहुगुणा के नेतृत्व में किया गया चिपको आंदोलन सभी प्रकृति प्रेमियों के लिए एक उदाहरण है। योगिता जोशी ने बताया संस्था आगे भी पेड़ों के संरक्षण व खेजड़ी वृक्ष को बचाने के लिए अपने प्रयास जारी रखेगी , बहादुर सिंह कॉलोनी में युवा शक्ति मंच संस्था प्रभारी नर्मदा देवी के द्वारा मंगल गीत गाकर खेजड़ी वृक्ष को बचाने का संकल्प दिलाया गया, इस अवसर पर अभिलाषा नाथोलिया,मीनाक्षी बोहरा, गौरवी पारीक,विदूषी पारीक ,मंजू शर्मा, पुष्पा पांडिया, मोहनी जोशी, देवकी जोशी, कंचन शर्मा, पूजा तिवाड़ी, चंदा बिहानिया, सुलेखा चौधरी, दिव्या जांगिड़,किरण राठोड़,विधि सिद्ध, सोमया गजरा, पूजा गजरा,हेमलता सोनी, मीरा वर्मा, रीचा वर्मा , बिमला सैनी, सहित अनेकों महिलाओं द्वारा रक्षासूत्र बांधे गये।

खंड भारत संकल्प दिवस पर होगा सामूहिक सुंदरकांड पाठ

बैठक में नई समिति का किया गठन, तैयारियों पर की चर्चा

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी/धौलपुर (राजू शर्मा)। बाड़ी शहर के हथियापोर वार्ड नंबर 22 स्थित हिंदू जागरण मंच के जिला कार्यालय पर रविवार शाम को जिला संयोजक अंजनी पाराशर की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में अखंड भारत संकल्प दिवस की तैयारी पर चर्चा की गई, और शहर के हथियापोर और कायस्थ पाड़ा मोहल्ले के बीच स्थित खंडे की अथाई के विकास के लिए एक नई समिति का गठन किया गया।

जिला संयोजक अंजनी पाराशर ने बताया कि हिंदू जागरण मंच हिंदू समाज को एकता के सूत्र में पिरोने और जागरूक करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में, अखंड भारत संकल्प दिवस का आयोजन रक्षाबंधन के त्योहार पर शहर के खंडे की अथाई पर किया जाएगा। इस अवसर पर भगवान श्री राम के भक्त हनुमान के सामूहिक सुंदरकांड पाठ का भी आयोजन किया जाएगा।

खंडे की अथाई के विकास के लिए समिति का गठन : बैठक के दौरान हिंदू समाज के सार्वजनिक स्थल खंडे की अथाई के विकास को लेकर एक नई समिति का गठन किया गया। समिति का संयोजक संजीव कुमार शर्मा को नियुक्त किया गया है, जबकि अन्य सदस्यों में मधुसूदन पचौरी, शिवकुमार शुक्ला, दुर्गा प्रसाद शर्मा, धीरज सोनी, हेमंत पाराशर, नरेश पचौरी और चेतन प्रकाश गुलपारिया शामिल हैं। मंत्री अशोक विधोलिया को नियुक्त किया गया है।

आज होगा सुंदरकांड पाठ और अखंड भारत संकल्प दिवस : अंजनी पाराशर ने जानकारी दी कि रक्षाबंधन के त्योहार और सावन मास की पूर्णिमा के अवसर पर खंडे की अथाई पर संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। साथ ही अखंड भारत संकल्प दिवस भी मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में समस्त हिंदू समाज के लोगों को आमंत्रित किया गया है।

समाजसेवी स्वर्गीय शर्मा की पुण्यतिथि पर पौधारोपण एवं नि:शुल्क चिकित्सा व परामर्श शिविर आयोजित

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। कम्पनी बाग विकास समिति अलवर के तत्वावधान में समिति के संस्थापक समाजसेवी वरिष्ठ अधिवक्ता स्वर्गीय मन्नालाल शर्मा की नवम् पुण्यतिथि पर कम्पनी बाग में पौधारोपण एवं नि:शुल्क चिकित्सा व परामर्श शिविर आयोजित किया गया। कम्पनी बाग विकास समिति के अध्यक्ष सौरभ शर्मा ने बताया कि वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा व स्वर्गीय मन्नालाल की धर्मपत्नी श्रीमती उषा शर्मा ने स्वर्गीय मन्नालाल शर्मा के चित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का शुभारम्भ किया गया।

इस अवसर पर कम्पनी बाग में 201 औषधीय, फलदार व छायादार पौधो का रोपण किया गया तथा उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया गया। साथ ही नि:शुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर आयोजित किया। जिसमें डॉ. पवन शेखावत व अन्य चिकित्सकों के द्वारा 95 महिला एवं पुरुषों की नि:शुल्क जाँच कर परामर्श दिया गया। संजय शर्मा ने इस अवसर पर प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर एक पेड माँ के नाम अभियान के तहत कम्पनी बाग में एक पौधा लगाया और सभी गणमान्य नागरिकों से अपनी माँ के नाम पर एक पौधा लगाने व उसकी देखभाल करने का आव्हान भी किया। कार्यक्रम में नगर निगम महापौर घनश्याम गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, कांग्रेस कमेटी अलवर के जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष डॉ. के.के. शर्मा, ब्राह्मण समाज के जिलाध्यक्ष विशम्भर दयाल वशिष्ठ, समिति संरक्षक श्रवण कुमार महावर, सचिव अशोक सैनी, ओ.पी. सैनी, सीताराम गुप्ता, सी.ए. जी.पी. गर्ग, सत्यनारायण शर्मा, आकाश मिश्रा, पंकज शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, एडवोकेट नवनीत तिवारी, रामप्रकाश गुप्ता, पेंशनर्स समाज अध्यक्ष मधुसूदन शर्मा, एडवोकेट रवि शर्मा, बालकिशन गुप्ता, पी.डब्ल्यू.डी. एक्स. ई.एन. अल्का व्यास, जगेश शर्मा, सेवानिवृत आयकर अधिकारी विशन कालरा, अभिषेक शर्मा, आशीष शर्मा, देवेन्द्र शर्मा, विशाल शर्मा, यशवेन्द्र सहित काफी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिक शामिल रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में अलवर स्काउट गाइड व जय गणपत जनकल्याण ट्रस्ट अलवर का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी गिरीश गुप्ता ने किया।

आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति की बैठक 21 अगस्त बंद को लेकर प्रशासन को ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी/धौलपुर (राजू शर्मा)। एक अगस्त को देश के सर्वोच्च न्यायालय सुप्रीम कोर्ट द्वारा आरक्षण व्यवस्था पर दिए गए फैसले को लेकर एसटी-एससी आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति द्वारा लगातार विरोध किया जा रहा है। ऐसे में सोमवार को संघर्ष समिति के पदाधिकारी ने बाड़ी उपखंड अधिकारी और पुलिस प्रशासन को 21 अगस्त को संघ द्वारा घोषित किये गए भारत बंद के आव्हान को लेकर विरोध प्रदर्शन करने बाजार को बंद किया का आव्हान करने के साथ पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए ज्ञापन सौपा है और मामले में कार्रवाई की मांग की है।

एसटी-एससी आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष किशन सिंह मीणा जिला अध्यक्ष मीणा समाज ने बताया की सुप्रीम कोर्ट ने जो आरक्षण व्यवस्था पर फैसला दिया है। उसका वर्गीकरण कर दिया है। उसका पूरे एसटी-एससी वर्ग में विरोध है और उक्त विरोध में पूरे भारतवर्ष में 21 अगस्त का बंद रखने का आवाहन किया गया है। इसी के तहत बन्द को पूरे धौलपुर जिले में सफल बनाने का प्रयास किया जा रज है। बाड़ी उपखंड में बंद को सफल बनाने के लिए व्यापारिक प्रतिष्ठानों और संगठनों से बंद में सहयोग की अपील करने के लिए विभिन्न पदाधिकारी प्रयास कर रहे है। पुलिस और प्रशासन से भी मामले में सहयोग करने की अपील की है और इसी के तहत आज एसटी-एससी आरक्षण बचाव संघर्ष समिति के महामंत्री होतम सिंह जाटव खानपुर सरपंच राजेश मीणा,बादशाह सहित तमाम पदाधिकारी के साथ एसडीएम राधेश्याम मीणा के नाम एक ज्ञापन तहसीलदार मोहम्मद हनीफ खान को सौप है साथ में पुलिस अधिकारियों से भी बंद में सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने और सहयोग की अपील की है।

सर्किल अधिकारी ने ली संघर्ष समिति के पदाधिकारी की बैठक : पुलिस सर्किल अधिकारी नरेंद्र कुमार ने भारत बंद का आह्वान करने वाले एससी-एसटी आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के पदाधिकारी से वार्ता की और बैठक कर उनसे पूरे मामले की जानकारी ली। जिस पर सभी ने अवगत कराया की 21 अगस्त को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बंद रहेगा। इस दौरान महाराणा प्रताप खेल मैदान से शहर के प्रमुख बाजार में होकर जुलूस निकाला जाएगा जो पुन: बाईपास सर्किल होते हुए महाराणा प्रताप खेल मैदान पहुचेगा।

21 अगस्त को भारत बंद को लेकर बैठक : व्यापारिक प्रतिष्ठानों के सहयोग से बाड़ी बंद का आह्वान, वरिष्ठ लोगों को दी जिम्मेदारी

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (राजू शर्मा)। सुप्रीम कोर्ट के द्वारा एससी-एसटी वर्ग के आरक्षण में उप वर्गीकरण को लेकर दिए निर्णय के विरोध में 21 अगस्त बुधवार को सम्पूर्ण भारत बंद के समर्थन में रविवार की शाम शहर के अंबेडकर पार्क में एससी-एसटी ओबीसी आरक्षण बचाओ मंच के बैनर तले होतम सिंह जाटव चेयरमैन एवं किशन सिंह मीणा जिला अध्यक्ष एसटी समाज के नेतृत्व में एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सभी बहुजन संगठनों ने बाड़ी बंद के लिए विस्तृत कार्य योजना पर चर्चा की और शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्र में बंद को लेकर सर्वसम्मति से सभी का सहयोग लेने का निर्णय लिया। साथ में सद्भावना के साथ प्रतिष्ठानों को बंद करने के लिए वरिष्ठ जनों को जिम्मेदारी दी गई।

बैठक में निर्णय लिया गया की 20 अगस्त मंगलवार को बाजार के विभिन्न व्यापारिक मंडल से बातचीत कर आंदोलन के समर्थन में प्रतिष्ठानों को बंद करने का आग्रह किया जाएगा। साथ ही प्रचार प्रसार के लिए कई टीमों का गठन किया गया है। बंद के दौरान किसी अप्रत्याशित घटना की रोकथाम हेतु पुलिस प्रशासन को सूचित किया गया है। भीड़ को नियंत्रित रखने एवं निर्देशित करने के लिए अनुशासन टीम का गठन किया गया है। बैठक में सभी को यह आह्वान किया गया कि हम सभी संविधान को मानने वाले लोग हैं अत: शांति से संविधान के दायरे में प्रदर्शन और बंद किया जाएगा। आंदोलन का प्रारंभ 21 अगस्त को सुबह 9 बजे शहर के मेला ग्राउंड से किया जाएगा। आंदोलन की अंतिम रूपरेखा तैयार करने के लिए सोमवार 19 अगस्त को सुबह 10 बजे से एक बैठक का आयोजन अंबेडकर पार्क में किया जाएगा। जिसमें अधिक से अधिक लोगों के पहुंचने की अपील की गई है।

फाइनेंसकर्मी से लूट के 3 आरोपी गिरफ्तार

59 हजार 700 रुपए बरामद, पुलिस ने बाइक की जब्त

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (नि.स.)। धौलपुर के दिहौली थाना क्षेत्र में 10 अगस्त को फाइनेंसकर्मी के साथ हुई लूट के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने लूट के मामले में तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने लूट की राशि 59700 रुपए को भी बरामद कर लिया है। घटना के दौरान उपयोग में ली गई बाइक को भी जब्त किया है। लूट की घटना का खुलासा करते हुए थाना प्रभारी परमजीत पटेल ने बताया कि 10 अगस्त को स्वतंत्र माइक्रोफिन कम्पनी के फील्ड ऑफिसर सौरभ कुमार ने थाने में मामला दर्ज कराया था। जिसमें बताया था कि वह लालपुर, रहसेना में मीटिंग कर कलेक्शन को लेकर अपनी बाइक से बगचौली लोधा जा रहा था। तभी तीन लोगों ने सहजपुर और रतनपुर के बीच में रोड पर एक बाइक से आकर उसका रास्ता रोक लिया। इसके बाद बाइक पर आए तीनों बदमाशों ने उसकी मीटिंग कलेक्शन की राशि को लूट लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए सोमवार को पुलिस ने लूट के आरोपियों को चिन्हित किया। जिसके बाद पुलिस ने दबिश देकर तीनों बदमाश रिंकू (19) पुत्र रामबाबू कुशवाह निवासी भूरा सुन्दरा का पुरा थाना मनियां, रज्जन (31) पुत्र रामबाबू कुशवाह निवासी बीधा का पुरा सरानीखेड़ा थाना सदर और शिवशंकर (24) पुत्र बबलू कुशवाह निवासी बीधा का पुरा सरानीखेड़ा थाना सदर को गिरफ्तार कर लिया। जिनकी निशानदेही पर पुलिस ने बदमाश रिंकू के घर से 59700 रुपए और लूट में उपयोग में ली गई बाइक को बरामद किया है। जिनसे पुलिस पूछताछ कर रही है। पूछताछ के बाद तीनों बदमाशों को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

लोकसभा अध्यक्ष ने कोरोना पीड़ित परिवारों के साथ मनाया रक्षाबंधन

भाइयों को खो चुकी बहनों से राखी बंधवाई

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला अपने संसदीय क्षेत्र कोटा-बूंदी के दौरे पर हैं। रक्षाबंधन पर लगातार चौथे साल कोरोना पीड़ित परिवारों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। स्पीकर बिरला ने भाई और परिजनों को खो चुकीं बहनों और बेटियों से राखी बंधवाई। बिरला को महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी राखी बांधी। इस दौरान बिरला ने कहा रक्षाबंधन का पर्व पवित्र, विश्वास और भरोसा का पर्व है। यह पर्व बहनों की रक्षा करने का पर्व है। देश में सभी भाइयों से आग्रह करता हूं, हमारे, आध्यात्मिक, धर्म, संस्कृति में जैसा समाज का निर्माण है बहनों की रक्षा करना, उनके साथ हमेशा खड़े रहना उनके जीवन में सुख समृद्धि खुशहाली के लिए हमेशा संगठित होकर सहयोग करना। हमारे सांस्कृतिक पर्व हमें यही प्रेरणा देते हैं।

उन्होंने कहा कि सभी बहनों से विश्वास भरोसे के साथ कह सकता हूं। सारा देश आपके साथ है आपकी रक्षा के लिए खड़े हैं। जिस तरीके से भारत की महिलाएं परिवार को संभालने के साथ साथ सामाजिक, राजनीतिक, अंतरिक्ष विज्ञान, टेक्नोलॉजी जैसे कई क्षेत्र में देश का नेतृत्व कर रही है। सीमाओं की रक्षा कर रही है। देश के विकास में समृद्धि खुशहाली लाने में मातृशक्ति का बड़ा योगदान है।

रेस्टोरेंट बार में चोरों ने की सेंधमारी: काउंटर की दराज का लॉक तोड़ निकाले 65 हजार

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। झोटवाड़ा थाना इलाके के एक रेस्टोरेंट बार में रविवार-सोमवार की मध्यरात्रि रात चोरी का मामला सामने आया है। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि बदमाश गैलरी का गेट तोड़कर रेस्टोरेंट बार के अंदर घुस कर काउंटर की दराज को तोड़कर हजारों रुपए की नकदी चोरी कर ले गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी ली। वहीं पुलिस को रेस्टोरेंट बार में लगे सीसीटीवी फुटेज में चोर की करतूत कैद हो गई। पुलिस फुटेज के आधार पर चोर की तलाश कर रही है। जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल महबूब खान ने बताया कि पंखा कांटा चौराहा पर जंक्शन नाम के रेस्टोरेंट बार में चोरी हुई है। रोज की तरफ रात को बार बंद कर ऑनर व वर्कर अपने घर चले गए। रविवार-सोमवार की मध्यरात्रि चोरों ने रेस्टोरेंट बार के पीछे की गैलरी में मौजूद गेट को तोड़कर बदमाश अंदर घुसा। काउंटर की दराज का लॉक तोड़कर उसमें रखे 65 हजार रुपए निकाल लिए। रेस्टोरेंट बार में रखा कुछ कीमती सामान भी चोरी कर ले गया। सोमवार सुबह रेस्टोरेंट बार में वर्कर के आने पर चोरी का पता चला। झोटवाड़ा थाना पुलिस चोरी की सूचना पर मौके पर पहुंची। रेस्त्रो बार में लगे सीसीटीवी फुटेज को संभालने पर चोर की करतूत कैद मिली। पुलिस ने फुटेज के आधार पर चोर की तलाश शुरू कर दी है।

धौलपुर जेल में भाइयों को राखी बांधने पहुंची बहन : कड़ी सुरक्षा के बीच दिया प्रवेश, राखी बांधकर दिलाया अपराध से दूर रहने कासंकल्प

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (नि.स.)। जिलेभर में रक्षा बंधन का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। रक्षा बंधन के पर्व को लेकर धौलपुर जिला कारागार में कड़े सुरक्षा बंदोबस्त किए गए है, जिसके बाद जेल में बंद भाइयों को राखी बांधने पहुंची बहनों को एंट्री दी गई। कड़ी सुरक्षा के बीच बहनों ने भाइयों की राखी बांधकर उन्हें अपराध से दूर रहने का संकल्प दिलाया। जिला जेल में मनाए गए रक्षाबंधन पर्व को लेकर जेलर पूरन चंद शर्मा ने बताया कि धौलपुर जेल में वर्तमान में 350 से अधिक बंदी विचाराधीन हैं। उन्होंने बताया कि धौलपुर जेल में विचाराधीन बंदियों से मिलने आई बहनों को उनके भाई से मिलकर राखियां बंधवाई गई हैं। उन्होंने बताया कि जेल के पहले गेट से ही सघन चैकिंग करने के बाद बहनों को जेल परिसर के अंदर लाया गया। जहां विचाराधीन बंदियों से मिलाकर रक्षाबंधन का त्योहार धूमधाम से मनवाया गया है। इस दौरान जेल पर पहुंची बहनों ने अपने भाइयों के तिलक कर उनके राखी बांधी। उन्होंने भाइयों को अपराध से दूर रहने का संकल्प दिलाया। रक्षाबंधन के पर्व पर दोपहर 1:32 बजे तक भद्रा होने की वजह से जेल परिसर में सुबह के पहर कम लोग पहुंचे। भद्रा खत्म होने के बाद ही जेल पर बहनों की कतारें लग गई। जिसके बाद कड़ी सुरक्षा बंदोबस्त के बीच रक्षाबंधन का पर्व मनवाया गया।

भाइयों को राखी बांधने जेल पहुंची बहनें तिलक लगा रक्षासूत्र बांध मांगी लंबी उम्र की कामना

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। रक्षाबंधन पर पर्व पर कोटा के सेंट्रल जेल में बंद अपने कैदी भाइयों को राखी बांधने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं व युवतियां पहुंची।

बहनों ने अपने भाइयों को तिलक लगाकर हाथ में रक्षासूत्र बांध कर जल्द रिहाई की प्रार्थना की। रक्षाबंधन के अवसर पर जेल प्रशासन की ओर से भी मुलाकात के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। वर्तमान में जेल में 1450 कैदी बंद हैं। इस दौरान जेल के बाहर बड़ी संख्या में महिलाओं की कतार लगी नजर आई। सोमवार सुबह से ही महिलाओं का जेल पहुंचना शुरू हो गया था। सुरक्षा के लिहाज से जाब्ता लगाया गया था। जेल के मेन गेट की खिड़की पर रक्षासूत्र बांधने की व्यवस्था की गई। खिड़की में से कैदियों के राखी बंधवाई गई। महिलाओ ने बारी बारी से अपने भाइयों के तिलक लगाकर रक्षा सूत्र बांधकर और मुंह मीठा करवाया। शाम 4 बजे तक ये सिलसिला चला, साथ नियमानुसार सामान्य कक्ष में कैदियों से मुलाकात भी करवाई गई।

मथुराधीश मंदिर पर यशोदा के भाव से ठाकुरजी को रक्षा धराई

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। शुद्धाद्वैत प्रथम पीठ श्री बड़े मथुराधीश मंदिर पाटनपोल पर सोमवार को रक्षाबंधन पर श्री यशोदा जी के भाव से ठाकुर जी को राखी बांधी गई। प्रभु को 'श्रवण तारा' के उदय स्थिति में झालर, घंटा और शंखनाद के साथ 'रक्षा' धराई गई। श्रृंगार में लाल रंग के ठाडे वस्त्र धराए गए। मोती, माणिक, हीरा, पन्ना का भारी श्रृंगार किया गया। उत्सव भोग में गुलाब कतली, जलेबी और केसरयुक्त बासुंदी धराई गई। प्रथम पीठ युवराज गोस्वामी मिलन कुमार बावा ने बताया कि सोमवार को गोस्वामी तिलकायत गोवर्धन लाल जी महाराज का प्राकट्य दिवस भी मनाया गया। इस दिन से जन्माष्टमी की बड़ी बधाई भी बैठाई गई।

नेक कमाई का काम भी नेक

बेटियों के चरण धोकर उन्हें दिए उपहार और शिक्षण सामग्री रक्षा बंधन- एक नन्हीं मुस्कान कायक्रम का हुआ समापन

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। अलवर ने कमाई फाउंडेशन और डॉ. गोपाल राय चौधरी ट्रस्ट की ओर से चलाई जा रहे कार्यक्रम रक्षा बंधन- एक नन्ही मुस्कान के तहत गोविंद नगर में बेटियों को उपहार वितरित किए गए कार्यक्रम के मुखय अतिथि पुरुषार्थी धर्मशाला समिति के जिलाध्यक्ष प्रेम गांधी थे जबकि अध्यक्षता संरक्षक और समाज सेवी दौलत राम हजरती ने की। विशिष्ट अतिथि उद्योगपति और समाजसेवी अशोक शर्मा थे। कार्यक्रम में संतोष अदलकखा, ज्योति, सुरेन्द्र और रेनू, सीए सुशील बंसल, प्रवीन बत्रा, सोनिका अरोड़ा, सौरभ कालरा भी उपस्थित थे। मुखय कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने बताया कि सात दिन तक चले इस अभियान में कई स्थानों पर जरूरतमंद बेटियों को उपहार वितरित किए गए। कई जगह कपड़े व जरूरत का सामान सहित शिक्षण सामग्री भी वितरित हुई। इस अभियान में बेटियां को रक्षा का वचन उन्हें

राखी बांधने के साथ दिया गया। संरक्षक दौलतराम हजरती ने बताया कि नेक कमाई की ओर से शहर में कई जगह महिला सशकितकरण के लिए स्वावलंबन केन्द्र संचालित होंगे जबकि दो केन्द्र पहले से ही चल रहे हैं। आगामी दिनों में शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र के कार्यों पर जोर दिया जाएगा।मुखय अतिथि पुरुषार्थी समाज के प्रेम गांधी ने कहा कि नेक कमाई फाउंडेशन का यह अनुकरणीय कार्य है । नवरात्रों के पद के साथ रक्षा बंधन पर बेटियों के लिए ऐसे कार्यक्रम चलाना नारी सशकितकरण की दिशा में सार्थक प्रयास है। फाउंडेशन गरीब बेटियों के विवाह सहित बहुत से सेवा भावी कार्य कर रहा है।

उद्योगपति अशोक शर्मा ने ऐसे कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि समाज के संपन्न लोगों को यह कर्तव्य है कि वे जरूरतमंदों की सहायता करें। नेक कमाई फाउंडेशन ने बीते तीन वर्षों में अलवर का नाम पूरे प्रदेश में बढ़ाया है।

फाउंडेशन की संरक्षक मंजू चौधरी अग्रवाल ने कहा कि नवंबर माह से जरूरतमंद बेटियों के विवाह का कार्यक्रम कन्यादान शुरू होगा जिसके लिए आवेदन आना शुरू हो गए हैं। नेक कमाई फांउडेशन अब तक 118 बेटियों का विवाह कर चुका है जो अपने आपमें अनुकरणीय है। संस्था इस वर्ष करीब 100 बेटियों की शादी करेगी जिसमें समाज को आगे आना चाहिए। अंत में कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने आभार जताया।

प्रदेश में पश्चिम बंगाल से आकर बसने वाले परिवारों का होगा आधार कार्ड वैरिफिकेशन, गलत पाये जाने पर कानूनन कार्यवाही कर खदेडा जायेगा : अविनाश गहलोत

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर, (विष्णु दत्त धीमान)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री एवं जैतारण के विधायक जयपुर से जैतारण जाते हुए अपने अल्पप्रवास के दौरान पत्रकारों से मुखातिब होते हुये प्रदेश में विकास कार्यो और ब्यावर के विकास को लेकर चर्चा कर रहे थे। इस अवसर पर पत्रकारों द्वारा पूछे गये सवाल प्रदेश के विभिन्न जिलों में अनाधिकृत तरीके से रह रहे पश्चिम बंगाल के लोगों के घुसपैठिये होने की सम्भावना हो सकती है, चूंकि आये दिन झारखण्ड, छत्तीसगढ आदि क्षेत्रों से अपने फर्जी आधार कार्ड बनवाकर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में घुसपैठिये बस रहे हैं। इस सवाल के जवाब में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री एवं जैतारण के विधायक अविनाश गहलोत ने अल्पप्रवास के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि प्रदेश की सरकार इस बात से चिन्तित है कि जो अवैध रूप से अजमेर, ब्यावर व अन्य क्षेत्र में रह रहे हैं उन लोगों का आधार कार्ड के वैरिफिकेशन के बाद ही उन्हें रहने दिया जायेगा। यदि किसी भी तरह का कोई दोषी पाया जाता है तो उसके कानूनात्मक कार्यवाही करते हुए देश के बाहर खदेडा भी जायेगा। उन्होंने कहा कि विशेषकर हमारे क्षेत्र की व देश की सुरक्षा को मध्यनजर रखते हुए खतरा उत्पन्न हो सकता हैं, इसलिये चाहे वह रोहिंग्या हो या कोई और हो जो हमारे देश में गलत तरीके से रहने का प्रयास कर रहे है या जिन्होंने गलत तरीके से आधर कार्ड बना लिया है उनका आधार वैरिफिकेशन करेंगे। पुलिस और प्रशासन मिलकर ऐसे लोगों की जांच करेगी और जांच के बाद जो निर्णय होगा, अगर जो गलत लोगा होंगे उन्हें खदेडा जायेगा। और हमारे क्षेत्र में कभी भी शान्ति भंग नहीं करने दी जायेगी। कानून का इकबाल हमेशा बना रहे ऐसी व्यवस्था करेंगे। केबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री हमेशा कहते आये है सबका साथ सबका विकास इसका मतलब यह नहीं है हम उसका फायदा उठाकर कोई ऐसी असामाजिक गतिविधियां करे जो साम्प्रदायिक फसाद की बात करे, धार्मिक विभाजन की बात करें और लोक लालच मे आकर किसी व्यक्ति को धर्मान्तरण की बात करे ऐसे इस क्षेत्र में नहीं होने दिया जायेगा। सरकार पूरी तरह से मुस्तैद है और यदि हुआ तो सरकार सख्त से सख्त कार्यवाही करेगी।

केबिनेट मंत्री श्री गहलोत ने बांग्लादेश में हो रही घटनाओं को लेकर बताया कि अफगानिस्तान हो या पाकिस्तान या बांग्लादेश हो या और कोई देश हो जहां जहां पर कट्टरपंथ के आधार पर अपनी विचारधारा को आगे रखा उन देशो में उनकी डेमोक्रेसी खत्म हो गई जहां राष्ट्रपति शासन लगा या फौजी शासन लगा है। हाल ही मे जो बांग्लादेश में परिस्थितियां बनी है, वहां हिन्दुओं के साथ जो वारदाते हो रही है या हिंसा का माहौल बनाया जा रहा है, पूरा भारत उसकी हिंसा करता हैं और केन्द्र सरकार इसके बारे में पूरा ध्यान रख रही है जो हिन्दुओं पर अत्याचार हो रहा है कटट्रपंथियों द्वारा वहां उनका संरक्षण हो उनकी सुरक्षा हो और पुन: डेमोक्रेसी की तरह जी सके। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश मे जो हिन्दुओं के साथ घटना घट रहीं है उसकी कडे शब्दों में निन्दा करता हूं।

ग्रेनाइट ब्लॉक से भरा ट्रेलर स्टेट हाईवे पर गिरा, रोड़ हुआ क्षतिग्रस्त बड़ा हादसा टला, रात का फायदा उठाकर चालक ट्रेलर लेकर फरार

बढ़ता राजस्थान

गंगापुर/भीलवाडा । रायपुर थाना क्षेत्र में कस्बा इलाके से गंगापुर बाईपास चौराया पशु मेला ग्राउंड पर ग्रेनाइट ब्लॉक से भरे हुए ट्रेलर से ग्रेनाइट के ब्लॉक पशु मेला ग्राउंड के मोड़ सर्कल पर जा गिरे।

जानकारी अनुसार बीती रात करेड़ा साइड की तरफ से आकर गंगापुर की और ट्रेलर जा रहा था मोड में अचानक बैलेंस बिगड़ने के कारण ट्रेलर में पड़े हुए ग्रेनाइट ब्लॉक अचानक मुड़ाव वाले रोड़ पर आ गिरे राजस्थान स्टेट हाइवे के ऊपर गिरने से मुख्य सड़क को काफी बड़ा नुकसान हुआ है। बता दें कि इस मार्ग पर मार्बल ट्रेलर लगातार ओवरलोड चलते हैं जिसको लेकर आए दिन कोई न कोई दुर्घटना होती रहती हैं वही इस घटना के बाद आने जानें वाले लोग एकत्रित हो रहे है। लोगो का कहना है कि घटना के समय आसपास कोई साधन या व्यक्ति नही था वरना मौका स्थिति को देखते हुए बहुत बड़ी घटना हो सकती थीं आमजन का कहना है की ओवरलोड ट्रेलरों को लेकर पूर्व में कही बार शिकायत की गई मगर अभी तक किसी समस्या का समाधान नहीं हो पाया लगता है प्रशाशन किसी बड़ी दुर्घटना होने के बाद ही मामले में संज्ञान लेगा वही दुसरी और जहा ग्रेनाइट ब्लॉक गिरे उसके आसपास की जगह जगह पर आधा-आधा फिट गहरे गड्ढे हो गए जिससे उक्त स्थान पर आने जानें वाले लोगो का निकलना दुभर सा हो गया है वहीं ट्रेलर चालक रात के अंधेरा का फायदा उठाकर जैसे तैसे ग्रेनाइट भरकर निकल गया अलसुबह राहगीरों ने मौके पर पड़े पत्थरो को सड़क से दूर करवा कर यथावत सड़क सुचारु रुप से चालू की गई। अब देखना यह है की प्रशासन ऐसे ओवरलोड ट्रेलरों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्यवाही करती है या फिर किसी हादसे का इंतजार।

बाबू महाराज का लक्खी मेला 5 सितंबर को

डीजे पर रहेगा बैन, कुदिन्ना गांव से हर घर का एक सदस्य वॉलिंटियर नियुक्त

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर(नि.स.)। बाबू महाराज का ऐतिहासिक लक्खी मेला 5 सितंबर को भरेगा। मेला कमेटी और मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ बैठक में मेले के सफल आयोजन और मंदिर परिसर की तैयारियों पर चर्चा की गई और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। भादों महीने के शुक्ल पक्ष की दोज को बाबू महाराज का यह लक्खी मेला लगता है, जिसमें गुर्जर समाज के लोग और सर्वसमाज के श्रद्धालु बाबू महाराज को ढोक लगाने के लिए पहुंचते हैं।

बैठक बाबू महाराज सेवा समिति के पदाधिकारियों, समाज के पंच-पटेल और पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में बाबू महाराज मंदिर थूम कुदिन्ना में आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से बाबू दोज 5 सितंबर को मनाने और मेला लगाने का निर्णय लिया गया।

मेला आयोजन को लेकर लिए गए निर्णय : स्वच्छता: मेला परिसर की स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए सभी दुकानदारों से अपनी दुकान के पास डस्टबिन रखने की अनिवार्यता सुनिश्चित की गई है।

ध्वनि नियंत्रण: मेला परिसर में डीजे साउंड बजाने पर प्रतिबंध लगाया गया है, ताकि मेले की मर्यादा बनाए रखी जा सके।

सुरक्षा: पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मेले के दौरान आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था उच्च अधिकारियों के निर्देश पर की जाएगी। किसी भी प्रकार की सुरक्षा संबंधी समस्या का समाधान किया जाएगा।

व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी : बैठक में मेला आयोजन से संबंधित कार्यों की जिम्मेदारी मेला कमेटी, देवसेना पदाधिकारियों और अन्य कार्यकर्ताओं के बीच बांटी गई है। कुदिन्ना गांव के लगभग हर घर से एक सदस्य को वॉलिंटियर्स के रूप में नियुक्त किया गया है। सभी ने निष्ठा से कार्य करने की बात कही।

कांवड़ियों से अपील

कमेटी के पदाधिकारियों ने सभी कांवड़ियों से अपील की है कि वे अपनी कांवड़ पड़वा तक चढ़ाएं।

नेता प्रतिपक्ष बोले- टाइगर हमले में घायलों को मुआवजा मिले जूली ने कहा- दो मंत्री अलवर से, फिर मदद में देरी क्यों हो रही

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। 4 दिन बाद भी सरिस्का से निकलकर हरियाणा के बावल के पास जंगल में पहुंचे टाइगर स्ज्ञ-2303 को ट्रैंकुलाइज नहीं किया जा सका। जिसके कारण आसपास के गांवों में दहशत है। सात महीने पहले भी टाइगर ने चार जनों को घायल किया था। अब भी चार जनों पर हमला कर चुका है। घायलों से मिलने सोमवार को नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली जिला अस्पताल पहुंचे। यहां घायलों की मांग को दोहराते हुए कहा कि सरकार को मुआवजा देना चाहिए। असल में गांवों में टाइगर के आने के बाद वनकर्मी खुद ग्रामीणों को मदद के लिए लेकर जाते हैं। अब उन पर टाइगर का हमला हो गया तो सरकार मुआवजा देने में पीछे हट रही है।

बोले- वन मंत्री से बात करूंगा : नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि टाइगर जंगल से बाहर है। सरिस्का के जंगल में साल 2004 में टाइगर खत्म हो गए थे। गहलोत सरकार के समय जंगलों में अच्छी मॉनिटरिंग किए जाने से टाइगर की संख्या बढ़ी है। अब टाइगर ने जंगल से निकल कर हमला कर दिया। सरकार ने पीड़ितों को कोई मुआवजा नहीं दिया गया। जबकि ग्रामीण वनकर्मियों के सहयोग के लिए आगे आए थे। खुद वनकर्मी ग्रामीणों को मदद के लिए बुलाते हैं। अब घायल होने पर उनकी सुध नहीं ली जा रही। इस मामले में जूली ने कहा कि वे खुद भी वन मंत्री से बात करेंगे। जूली ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार के दोनों वन मंत्री अलवर से हैं। भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं हों। इसके लिए विशेष प्रबंध करने की जरूरत है।

सरिस्का दोबारा आबाद हुआ है। यहां आने वाला भविष्य अच्छा है। जिससे रोजगार खड़े हो सकते हैं। सरकार को ध्यान देने की जरूरत है। बार-बार टाइगर के हमले होंगे तो आमजन में दहशत बढ़ेगी। सरकार को जनता की मदद करने के लिए खड़े रहना चाहिए।

रेगरान पंचायत बड़ाबास के चुनाव हुए सम्पन्न सन्तोष जाग्रत अध्यक्ष निर्वाचित

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर, (विष्णु दत्त धीमान)। आदर्श धडा रेगरान बडा बास के चुनाव सर्वसम्मति से सम्पन्न हुए। जिसमे अध्यक्ष पद पर सन्तोष जाग्रत व उपाध्यक्ष पद पर अशोक बोकोलिया, राजेन्द्र चौहान, अशोक भट्ट, पुरुषोतम उजीरपुरिया, राधेश्याम खोरवाल तथा सचिव पद पर अजय तंवर नवनियुक्त हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता ईश्वरशरण तंवर ने की। उक्त कार्यकारिणी में सह सचिव मनीष पंवार, कोषाध्यक्ष पद पर दौलत संवासिया, ललित खोरवाल, भण्डारी राधेश्याम भट्ट और संरक्षक मण्डल में ईश्वर तंवर, अशोक भट्ट, महेन्द्र तंवर, पूरण संवासिया, गोविन्द रिठाडिया को सर्वसम्मति से चुना गया। उक्त कार्यक्रम में माणक बोहरा, चान्दमल रिठाडिया, विक्रम तंवर, दुष्यन्त चोहान, चन्द्रगुप्त मौर्य, सुनिल खोरवाल, उगमचन्द बोकोनिया, नरेश तंवर, प्यारेलाल तंवर, श्यामलाल भट्ट, संजय चोहान, कमलेश बोहरा, होटलाल तंवर, सावरलाल फुलबारी, नरेन्द्र तंवर, भवर लाल बालोटिया, बब्लू कुडिया, भारत पंवार, सुनिल तंवर, हेमराज फुलबारी, चेतन तंवर, मनीष तंवर इत्यादि सदस्यों की उपस्थिति में सम्पन्न हुए।

गंगापुर में सावन के आखिरी सोमवार को श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

बढ़ता राजस्थान

गंगापुर/भीलवाडा । गंगापुर नगर सहित क्षेत्र के शिवालयों में सावन माह के अंतिम सोमवार को हर हर महादेव के जयकारों से गूंज उठे। नगर के नीलकंठ महादेव,ओकारेश्वर महादेव,लालघर महादेव,मुक्तेश्वर महादेव सहित प्रमुख मंदिरों में अलसुबह से ही पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया,जो शाम तक चलता रहा।मंदिरों में जलाभिषेक,दुग्ध अभिषेक किए जाने के साथ ही बिल पत्र चढ़ाए गए। कई मंदिरों में भजन कीर्तन के आयोजन हुए ।भक्तों ने भगवान शिव की आराधना कर अपने परिवार की खुशहाली की कामना की ।

एक और कोचिंग छात्र की संदिग्ध मौत

बढ़ता राजस्थान

कोटा(का.स.)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से कोटा में इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम मेन और एडवांस्ड की तैयारी करने के लिए आए एक 18 वर्षीय छात्र के संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। जवाहर नगर थाना अधिकारी हरि नारायण शर्मा के अनुसार पुराने राजीव गांधी नगर स्थित एक हॉस्टल में रहकर प्रयागराज निवासी कुशाग्र रस्तोगी आईआईटी की तैयारी कर रहा था. उसकी मां भी उसके साथ हॉस्टल में ही रह रही थी। सोमवार सुबह उसकी मौत की सूचना मिली। घटना के दौरान कुशाग्र बाथरूम में नहाने के लिए गया था, लेकिन जब काफी देर तक वो बाहर नहीं निकला तो उसकी मां ने उसे आवाज दी. वहीं, अंदर से कोई जवाब न आने पर जब मां ने दरवाजा नहीं खोला तो देखा कि वो बेहोश बाथरूम में पड़ा था. उसके बाद उसे कॉमर्स कॉलेज चौराहा स्थित एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इस संबंध में उसके पिता को सूचना दी गई है।

रोटरी कोटा सेंट्रल ने केन्द्रीय कारागार में मनाया रक्षाबंधन

बढ़ता राजस्थान

कोटा(का.स.)। रोटरी कोटा सेंट्रल की ओर से सोमवार को केन्द्रीय कारागार में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। इस दौरान रोटेरियन महिला सदस्यों ने कारागार कर्मियों के साथ ही कैदियों की कलाई पर भी राखी बांधी। उन्होंने कैदियों से अपराध छोड़ने का वचन लिया। सहायक प्रांतपाल और प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुनीता काबरा ने बताया कि हमने पिछले साल भी रक्षा बंधन इन्हीं के साथ मनाया था। आने वाले हर साल में इन्हीं के साथ मनाएंगे।

स्कूलों में बैग-डेस्क पर रहेगी नजर, धारदार हथियार लाने पर होगी कार्रवाई, मा. शि.राजस्थान निदेशक ने जारी किए आदेश

बढ़ता राजस्थान

निमाज (नि.स.)। उदयपुर के एक राजकीय विद्यालय में स्कूली बच्चों के विवाद में चाकूबाजी की घटना को गंभीरता से लेते हुए माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने प्रदेश भर के राजकीय व निजी विद्यालयों के संस्था प्रधानों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निदेशक माध्यमिक शिक्षा ने जारी निर्देशों में कहा कि विद्यालय में किसी भी प्रकार का धारदार हथियार, नुकीली वस्तुएं आदि लानी निषिद्ध रहेगी। ऐसे किसी भी वस्तु का लाना एवं प्रयोग सुरक्षा और अनुशासन के नियमों का उल्लंघन मानते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। आदेश में संस्था प्रधान, शिक्षक और अभिभावकों के दायित्व भी निर्धारित किए हैं। अब शिक्षक व प्रधानाध्यापक भी औचक रूप से विद्यार्थियों के बस्तों की जांच करेंगे। बच्चों के व्यवहार पर निगरानी रखेंगे। बच्चे के व्यवहार या अनुशासनहीनता पाए जाने पर अभिभावकों को सूचित करेंगे। ताकि विद्यालय में अध्ययन करने आने वाले विद्यार्थी अपने जीवन में अनुचित दिशा की ओर न बढ़ें। इसके लिए प्रधानाध्यापकों को प्रार्थना में इसकी जानकारी देने एवं नोटिस बोर्ड पर इसकी जानकारी चस्पा करने के निर्देश जारी किए हैं।

अभिभावकों के दायित्व

निदेशक ने अभिभावकों से भी बच्चों को इन वस्तुओं के खतरों के बारे में जागरूक करने, उनके बैग आदि की समय-समय पर जांच करने, बच्चों के व्यवहार में आने वाले परिवर्तन का ध्यान रखने तथा शिक्षक से नियमित संपर्क में रहते हुए बालक को सही मार्गदर्शन दिए जाने की अपेक्षा की है।

सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश

यदि किसी विद्यार्थी को धारदार हथियार या नुकीली वस्तुएं विद्यालय में लाते हुए पाया जाता है, तो संस्था प्रधान उसके अभिभावक के सम्पर्क करेंगे। आवश्यकता हो तो विद्यार्थी के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई करें। संस्थाप्रधान यह सुनिश्चित करेंगे कि विद्यालय का कोई विद्यार्थी धारदार वस्तु से हानि पहुंचा सकने वाली वस्तु विद्यालय परिसर में नहीं लाए।

संस्था प्रधान के दायित्व

संस्था प्रधान न केवल इसकी उद्घोषणा, आदेश के रूप में सूचना पट्ट पर चस्पा करेंगे साथ ही प्रार्थना सभा में उक्त के संबंध में जानकारी देंगे। ऐसे विषय पर अध्यापक अभिभावक परिषद की बैठक में भी विमर्श करेंगे।

भाई-बहन के अमर प्रेम और अटल विश्वास के प्रतीक रक्षाबंधन महापर्व परम्परागत ओर हर्षोल्लास से मनाया गया

बढ़ता राजस्थान

फुलेरा, (नि.स.)। कस्बे सहित आसपास के क्षेत्र मे सोमवार को भाई- बहिनके अमर प्रेम ओर अटलविश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन महा पर्व परमपरागत तरीके बड़े हर्ष ओर उल्लास के साथ मनाया गया।

इस महापर्व पर बहिने अपने अपने भाईयो की कलाई पर रक्षासुत्र बान्ध कर भाईयो की सलामती की कामना की, साथ ही स्वयं की सुरक्षा का वचन लिया। बहनो ने राखी के साथ साथ नारियल, गिफ्ट, मिठाईया भी दी। जिसके प्रतिउतर मे भाईयो ने अपनी लाडली बहना को उपहार स्वरूप साड़िया,वस्त्र,आभूषण सहित नकदी देकर रक्षा का वचन दिया। इस त्यौहार पर बीते दो तीन दिनोसे बाजारो मे चहल पहल और रोनक रही।

गंगापुर में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया रक्षा बंधन पर्व

बढ़ता राजस्थान

गंगापुर/भीलवाडा । गंगापुर नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में सोमवार को भाई-बहन के प्यार का त्यौहार रक्षाबंधन हर्षोल्लास से मनाया गया। बहनों ने शुभ मुहूर्त में अपने भाइयों की पूजा अर्चना कर रक्षा सूत्र बांधकर मुंह मीठा करवाया व दीर्घायु की कामना की वहीं भाइयों ने बहनों को उपहार देकर उनकी रक्षा का संकल्प लिया वहीं रक्षाबंधन को लेकर राज्य सरकार द्वारा सरकारी बसों में नि:शुल्क यात्रा की घोषणा होने से महिलाओं ने निशुल्क यात्रा का जमकर फायदा उठाया। रोडवेज बस स्टैंड पर महिलाओं की खासी भीड़ देखने को मिली।

मुझे ओवर एक्सपोजर का डर नहीं सताता ग्रोथ मार खा जाएगी : रसिका दुग्गल

मनोरंजन जगत में तकरीबन 15 साल का वक्त बिता चुकी रसिका दुग्गल कई अहम फिल्मों और लोकप्रिय वेब सीरीज का हिस्सा रही हैं। मिर्जापुर 3 के बाद वे चर्चा में हैं जासूसी थ्रिलर शेखर होम से। एक्ट्रेस ने इंटरव्यू में कहा है कि वह रोने वाले सीन्स से टाइफकास्ट हो गई थीं। उनको पता होता था कि आखिरी के 10 पन्नों में रोने वाले दो सीन्स हैं। तो वह स्क्रिप्ट को पीछे से पढ़ सकती थीं। एक्ट्रेस ने अपने करियर के बारे में और क्या नई बातें बताईं, जानिए रसिका दुग्गल ने मिर्जापुर की बिना के रूप में काफी शोहरत पाई। मगर सीजन 3 में उन्हें उतना स्क्रीन टाइम नहीं मिला। वे कहती हैं, किसी सीजन में आप कम दिखें, तो स्टोरी की डिमांड हो सकती है। कहानी किसी और डायरेक्शन में जा रही है, तो वह एंगल अगर मजबूत है, तो कोई समस्या नहीं है। मैं अपने बारे में न सोचकर, कहानी के बारे में सोचती हूं। हर एक अच्छा एक्टर यही सोचता है। मुझे कोई प्रॉब्लम नहीं है कि स्क्रीन टाइम कम है। मेरी चिंता किरदार के प्रभाव को लेकर ज्यादा होती है और मैं समझती हूं कि बीना का इंपैक्ट हर सीजन में बहुत अच्छा रहा है।

बीना का रोल सामने से मांगा

आज जिस भूमिका ने रसिका को घर -घर लोकप्रिय किया। वह भूमिका उन्होंने खुद जाकर मांगी थी। वे कहती हैं, सीजन वन में करण और अंशुमान भी जुड़े थे इस प्रोजेक्ट से। तो किसी ने मुझे बताया कि वो शो लिख रहे हैं। मैंने कहा, ठीक है, वो मुझे जानते हैं, तो मेरे लिए कुछ रोल होगा तो बोल देंगे। तो मुझसे कहा गया कि ऐसा नहीं होता, याद दिलाना पड़ता है। मुझे शर्म आ रही थी रोल मांगने में, मगर मैंने शर्म को त्याग कर फोन किया। मेरे दिमाग में था कि अगर वो मुझे कास्ट नहीं करना चाहेंगे, तो उनके लिए मुझे ना बोलना काफी मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा, आप नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ लीड रोल (मंटो) कर रही हैं, तो मैंने सोचा, आप वेब सीरीज नहीं करेंगी। तो मैंने कहा, अगर किरदार इंटरेस्टिंग है, तो क्यों नहीं करूंगी? उन्होंने ऑडिशन के लिए बुलाया। मेरे हिसाब से ऑडिशन सही नहीं गया था, मगर उन्हें पसंद आया कर मैं बीना के रोल के लिए चुन ली गई।

हमारे प्रोफेशन में सिक्योर होकर नहीं बैठ सकते

रसिका को अपने करियर के शुरुआती दौर में एक-दो सीन वाली छोटी-छोटी भूमिकाएं भी करनी पड़ी हैं, अब उनके लिए रोल लिखे जाते हैं। वे कहती हैं, उम्मीद करती हूं कि मेरे लिए रोल लिखे जाते रहें, क्योंकि जहां तक मैंने देखा है, इस जर्नी में आप एकदम सिक्योर होकर भी नहीं बैठ सकते कि हां, अब तो मेरे पास काम है, अब तो मेरे पास सब कुछ है। एक आर्टिस्ट के अंदर यह भावना नहीं होनी चाहिए। एक कलाकार को हमेशा कुछ एक्सप्लोर करना चाहिए और यह होना भी चाहिए, अपने आपको मोटिवेट करने के लिए। तो मेरा बहुत मन था कि ऐसी कोई कॉमिडी फिल्म की जाए, जिसमें औरत का सेंट्रल कैरेक्टर हो। लेकिन जैसा कि आपने कहा, इतने साल हो गए हैं इंडस्ट्री में। मैंने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। जब काम अच्छा चल रहा होता है, लोग सराहना करते हैं। मतलब एक महीने के अंदर दो शोज रिलीज होते हैं, तो बहुत अच्छा लगता है। और मैं इस समय के लिए बहुत शुक्रगुजार हूं । सोचा नहीं था कि ऐसा समय आएगा जिंदगी में, लेकिन आ गया, थैंक गॉड। और मैं इसको इंजॉय करने की कोशिश भी कर रही हूं। साथ में आगे क्या करना है, वो भी सोच रही हूं।

तब मेरी ग्रोथ मार खा जाएगी

बीते कुछ समय से रसिका ओटीटी पर काफी नजर आ रही हैं। हाल ही में उनकी फिल्म फेयरी फोक भी आई थी और ओटीटी पर मिर्जापुर 3 के साथ-साथ शेखर होम में भी दिखीं। क्या उन्हें ओवर एक्सपोज होने का डर नहीं सताता? के सवाल पर वे कहती हैं, नहीं, मुझे यह डर नहीं लगता है। अगर मैं यह डर लेकर बैठ जाऊं, तो कहीं न कहीं मेरी एक्सप्लोरेशन और एक्सपेरिमेंट मार खा जाएगी। एक हद तक यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं अपना किरदार अच्छे से निभाऊं। अगर मुझे उसमें कुछ नया करने का मौका मिल रहा है, तो मैं पीछे नहीं हटूंगी। अब यह सोचकर कि ओवर-एक्सपोज जाऊंगी और काम बंद कर दूं, तो ये ठीक नहीं होगा। देखिए, हम कलाकारों को अपना काम लगातार करते रहना होता है। हम जब , तब जरूरी नहीं कि वो काम तभी आ जाए। कई बार इस साल का काम अगले साल आता है। हमने मिर्जापुर की शूटिंग 2022 में स्टार्ट की थी और 2023 में खत्म हुई। तो कब आप काम करते हो, कब वो रिलीज होता है, वो आपके हाथ में नहीं है। एक एक्टर के तौर पर, अगर मैं इस स्ट्रेटजी में उलझ जाऊं, तो मेरी क्रिएटिविटी और ग्रोथ मार खा जाएगी।

जासूसी में फेलूदा पसंदीदा है

रसिका दुग्गल की हालिया सीरीज शिकार होम एक जासूसी सीरीज है। रसिका कहती हैं, मैं जासूसी स्पेस को बहुत इंजॉय करती हूं। मगर डिटेक्टिव कहानियों में मुझे फेलूदा का किरदार बहुत भाता है। सत्यजीत रे रचित इस किरदार में जासूसी की इ अलग दुनिया है। फेलूदा को तो मैं घोट कर पी गई हूं। इस तरह की जासूसी दुनिया का अपना मजा होता है, आप तब तक बंधे रहते हैं, जब तक की गुत्थी सुलझ नहीं जाती। हालांकि मैंने अपनी जिंदगी में कभी जासूसी नहीं की, मगर मैं कह सकती हूं कि मेरा पूर्वाभास कमाल का है। मुझे कई चीजों का अंदाजा हो जाता है।

दमदार हीरोइनों का साथ क्यों नहीं देते हमारे हीरो -? अच्छे को-स्टार्स के लिए जूझ रही हैं एक्ट्रेसेस : तापसी पन्नू

सशक्त महिला किरदारों के लिए मशहूर एक्ट्रेस तापसी पन्नू के अनुसार, नायिका प्रधान होने के कारण नामी हीरो उनकी फिल्में करने से कतराते हैं। देखा जाए तो तापसी बिल्कुल सही हैं। बॉलीवुड के ज्यादातर हीरो महिला केंद्रित फिल्मों से दूर ही दिखते हैं। हालांकि, हाल ही में आई जाह्नवी कपूर की फिल्म उलझ में गुलशन देवैया और रोशन मैथ्यू साथ खड़े नजर आए तो शरवरी वाघ स्टारर वेदा में जॉन अब्राहम खुद को उनका सारथी कहते दिखे। ऐसे में, क्या मेल एक्टर्स की सोच इस मामले में बदल रही है? एक रिपोर्ट मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान की ठग्स ऑफ हिंदोस्तान में चार सीन और दो गाने करतीं कटरीना कैफ हों या फिर सलमान खान की बजरंगी भाईजान में चंद सीन में दिखतीं करीना कपूर खान, बॉलीवुड की हीरो सेंट्रिक फिल्मों में एक्ट्रेसेस अकसर साथी या सहयोगी की भूमिका में नजर आती रही हैं। मगर अब जरा ये रोल रिवर्स यानी हीरो ही जगह हीरोइन सेंट्रिक फिल्म करके देखिए, क्या दीपिका पादुकोण, करीना कपूर, आलिया भट्ट या तापसी पन्नू की मुख्य भूमिकाओं वाली फिल्मों में आप शाहरुख, आमिर, सलमान छोड़िए, रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, ऋतिक रोशन या वरुण धवन जैसे सितारों की कल्पना भी कर सकते हैं? नहीं ना, क्योंकि नायक प्रधान बॉलीवुड के ज्यादातर हीरो नायिका का साथी या सारथी बनने में अपनी तौहीन समझते हैं। इसीलिए, फीमेल सेंट्रिक फिल्मों में ए लिस्टर हीरो ना के बराबर दिखते हैं।

अच्छे को-स्टार के लिए जूझती हैं एक्ट्रेसेस : बॉलीवुड में एक अरसे से एक्ट्रेसेस पुरुष प्रधान फिल्मों का हिस्सा बनती रही हैं, फिर उनमें उनका रोल हीरो की गर्लफ्रेंड या सिर्फ ग्लैमर जोड़ने भर का क्यों ना रहा है। खास बात यह है कि ज्यादातर एक्ट्रेसेस उसमें भी अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रही हैं। जबकि, वक्त बदलने के साथ अब जब नायिका प्रधान फिल्में भी काफी संख्या में बन रही हैं, हीरोज उनका हिस्सा बनने का साहस नहीं दिखा पाते। मसलन, रणवीर सिंह की गली बॉय में गर्लफ्रेंड सकीना के रोल में आलिया भट्ट दिख जाएंगी, लेकिन आलिया की गंगूबाई काठियावाड़ी या जिगरा में शांतनु माहेश्वरी या वेदांग रैना जैसे नए चेहरे ही नजर आते हैं। अक्षय कुमार की बेल बॉटम या जॉली एलएलबी 2 में हुमा कुरैशी आपको दिखेंगी, पर जब वह तरला बनती हैं, तो उनके पार्टनर के तौर पर शारिब हाशमी साथ खड़े दिखते हैं। मुल्क से लेकर थप्पड़, रश्मि रॉकेट, शाबाश मिथु, हसीन दिलरुबा तक अपनी हर फिल्म में दमदार भूमिकाएं निभाने वाली तापसी पन्नू ने कई मौकों पर यह खुलासा किया है कि उन्हें हर फिल्म में अच्छे मेल को-स्टार के लिए संघर्ष करना पड़ा, क्योंकि उनकी फिल्मों में महिला किरदार ज्यादा सशक्त होता है। बकौल तापसी, हर बार जब मैं प्रोड्यूसर्स के साथ अपनी फिल्मों के लिए चुने गए टॉप पांच मेल एक्टर्स के नामों पर चर्चा करती हूं तो वो एक्टर्स वो होते हैं जिन्होंने सिर्फ एक या दो फिल्में की हैं और वो भी भूमिका नहीं चाहते हैं। कई मेल एक्टर्स ने ये बात खुद मुझसे कही है कि हम वो फिल्में नहीं कर सकते, जिनमें महिला किरदार बहुत स्ट्रॉन्ग हो।

मेल एक्टर्स में होती है असुरक्षा : तापसी के मुताबिक, ये स्टार अपने अभिनय को लेकर असुरक्षित हैं या उन्हें लगता है कि महिला प्रधान फिल्मों का छोटा हिस्सा बनने से उनका स्टार पावर कम हो जाएगा। तापसी के होम प्रॉडक्शन की पहली फिल्म ब्लर और हाल ही जाह्नवी कपूर की मुख्य भूमिका वाली फिल्म उलझ में नजर आए एक्टर गुलशन देवैया भी एक हद तक ऐसी असुरक्षा पर सहमति जताते हैं। इस बारे में गुलशन कहते हैं, ऐसी इनसिक्योरिटीज होती हैं। पहले मेरे अंदर भी इस चीज को लेकर असुरक्षा की भावना थी। एक वक्त पर मुझे भी इन चीजों से फर्क पड़ता था कि पता नहीं करना चाहिए या नहीं, लेकिन मैंने तय किया कि मुझे इन इनसिक्योरिटीज से बाहर निकलना है। अब मैं वही काम करता हूं जो मुझे इंट्रेस्टिंग लगता है। अब मैं ये सब नहीं सोचता कि मेरे साथ कौन सीन में है, मुझे सीन में चमकने का मौका मिलेगा या नहीं। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हीरो कौन है? मुझे फिल्म पसंद आ रही है तो मैं वो करूंगा।

सोच में आ रहा बदलाव : शरवरी वाघ की अपकमिंग फिल्म वेदा में वह टाइटल रोल में हैं, जबकि उनके मेंटॉर बने जॉन अब्राहम एक सीन में कहते हैं- मैं सिर्फ सारथी हूं! हालांकि, फिल्म में जॉन की भूमिका भी काफी अहम और दमदार लग रही है। लेकिन अगर आने वाले दिनों में हमारे हीरो भी हीरोइनों को बराबर मानकर उनके साथी या सारथी बनने लगें तो यह बदलाव वाकई सुखद होगा। डार्लिंग्स और उलझ जैसी हिंदी फिल्मों में नजर आए साउथ फिल्मों के चर्चित एक्टर रोशन मैथ्यू कहते हैं, मैं हिंदी में तीन फिल्में चोक्ड, डार्लिंग्स और उलझ की हैं और ये तीनों ही फीमेल सेंट्रिक है। ये फिल्में साइन करते वक्त मैंने इस बात पर गौर तक नहीं किया। शायद मैं थिएटर के बैकग्राउंड से हूं।

मुझे देख कर लोग कहते थे चला मुरारी हीरो बनने, लोग एक्टर को आम इंसान समझते ही नहीं : अभिषेक

फिल्म स्त्री 2 के एक्टर अभिषेक बनर्जी आर्मी बैकग्राउंड से हैं, लेकिन उन्होंने अपने लिए फिल्मी करियर चुना। उन्होंने कहा- मुझे देख कर लोग मजाक उड़ाते थे और कहते थे- चला मुरारी हीरो बनने। उन्होंने कहा- मेरे लिए कॉमेडी ज्यादा मुश्किल है। हालांकि लोगों को लगता है कि मैं कॉमिडी आसानी से कर लेता हूं। आर्मी बैकग्राउंड से ताल्लुक रखने वाले अभिषेक बनर्जी को उनके पिता आईएएस अफसर बनाना चाहते थे, मगर उन्होंने अभिनय की राह चुनी। कास्टिंग डायरेक्टर रहे अभिषेक काफी स्ट्रगल के बाद चमके।

आपके पिता आपको आईएएस अफसर बनाना चाहते थे, फिर आपने अभिनय का रास्ता कैसे अख्तियार किया?

जब मैंने उनसे कहा कि मैं एक्टर बनना चाहता हूं तो वे पहले बहुत गुस्से में थे। वे चाहते थे कि मैं भी उनकी तरह वर्दी पहनूं, एक सिक्योर जॉब में रहूं, लेकिन मेरी मनोकामना कुछ और थी। पूरी जिंदगी मैंने उनको उनको तकलीफों और कठिनाइयों में देखा था। मैं उन कठिनाइयों को नहीं झेलना चाहता था। मैं शारीरिक रूप से इतना फिट नहीं था और एक स्पोर्ट्सपर्सन एक एज के बाद रिटायर हो जाते हैं, लेकिन फौजी 50-60 की उम्र तक काम करते है। मैं थोड़ा क्रिएटिव था, तो मैंने ये फील्ड चुनी। आज मेरे माता-पिता मुझको देख काफी खुश होते हैं।

पैरेंट्स का कर्ज तो हम कभी अदा नहीं कर सकते, मगर अभिनय जगत में नाम,पैसा और शोहरत कमाने के बाद आप अपनी माता-पिता के लिए लिए सबसे बड़ी चीज क्या कर पाए?

मैं अपने पैरेंट्स के लिए कितना भी करूं वो कम है। मेरे पिता जी हेड क्वार्टर में ड्यूटी पर ही रहे हैं, तो मैंने पैसे जोड़कर उनके लिए खड़कपुर में घर खरीद कर दिया था। हालांकि उस समय मैं उतना नहीं कमाता था। बाद में जब मैं और कमाने लगा, तो मैंने सोचा पैरेंट्स को मुंबई शिफ्ट करना चाहिए। मैंने उनके सामने जब अपनी मंशा जाहिर की, तो उन्होंने कहा, तुम घर ले लो। मैंने अंधेरी में घर लिया। हमने गृह प्रवेश की पूजा भी की और फिर वो वापस चले गए ये बोलकर कि हम जल्द वापस आएंगे। मगर कुछ दिनों बाद जब मैंने उन्हें मुंबई आने के लिए कॉल किया, तो वो हंसने लगे। मैंने जब पूछा कि वे क्यों हंस रहे हैं, तो वे बोले, हमें मुंबई नहीं आना था। हमने तो तुम्हारी इन्वेस्टमेंट के लिए ये किया था। मुझे लगता है

दुनिया में माता-पिता ही ऐसे होते हैं, जो अपने बच्चों को निस्वार्थ प्रेम करते हैं।

फिल्मों में एक्टर को दर्शक एक खास तरह की कद-काठी में देखने के आदी होते हैं। आपको अपनी दुबली-पतली फिजिकैलिटी के कारण कभी दिक्कत आई?

मुझे आस-पड़ोस के लोग कहा करते थे कि कम से कम बाल बनाकर तो जाया करो। ये सच है कि हमारे देश में लोग ऐक्टर्स को परफेक्ट देखना चाहते हैं। वे उन्हें एक आम आदमी समझते ही नहीं। वो जो परफेक्शन, ग्लैमर दिखता है उसके लिए पूरी फौज लगती है। मुझे याद है, मैं कास्टिंग किया करता था, तब मेरे एक दोस्त ने मुझे किसी से इंट्रोड्यूस कराते हुए बताया कि मैं कास्टिंग डायरेक्टर हूं और अभिनय करना चाहता हूं, तो वो बंदा हैरान हो गया। उसके भाव कुछ इस तरह थे, जैसे चला मुरारी हीरो बनने। सालों बाद जब मैं फेमस हुआ, तो वही बंदा आकर मुझसे बोला कि मैंने उसे गलत साबित किया। अब देखिए ना, करियर के शुरुआती दौर में महानायक को अपने कद के कारण आलोचना का शिकार होना पड़ा था। शाहरुख खान ने खुद बोला है कि उनके बाल जो हैं, वो भालू जैसे हैं। मेरा मानना है कि ये परसेप्शन का खेल है। लोग वही चेहरा अगर सालों देखें, तो उन्हें वो चेहरा सुंदर लगने लगता है। अगर आपकी कला कमाल की है, तो आपकी कला की सुंदरता आपको और सुंदर दिखाती है। रणवीर सिंह जब इंडस्ट्री में नए आये थे, तब उनके बारे में कहा जाता था कि यार ये किस तरह का हीरो आ गया? मगर आज लड़कियां मरती हैं उन पर। इरफान खान जैसे लीजेंड भी जब इंडस्ट्री में आए, तो वे भी अलग तरह की कदकाठ रखते थे।

अपने करियर की शुरुआत में रंग दे बसंती में एक छोटा-सा रोल था। उसके बाद आपके लिए रिजेक्शन का दौर कैसा था?

रिजेक्शन का दौर मजेदार भी था और दुखदायक भी। खुद को लेकर मेरे मन में कहीं न कहीं एक संदेह पैदा होता था कि मैं एक्टर बनने तो आ गया, मगर क्या मैं बन पाऊंगा? उन दिनों में दिल्ली में थिएटर किया करता था। मुझे एक्टिंग के अलावा और कुछ आता भी तो नहीं था। कास्टिंग डायरेक्टर बनने के बावजूद मैं एक बार एक बहुत बड़े कास्टिंग डायरेक्टर के पास एक रोल का ऑडिशन देने गया। मैं घंटों से लाइन में खड़ा था। मैंने उन्हें फोन लगाया, मगर लगातार फोन करने के बावजूद उन्होंने मेरा फोन नहीं उठाया। मेरे लिए वो बहुत बड़ा सदमा था। आज मैं शुक्रगुजार हूं अमर कौशिक, निखिल आडवाणी, विपुल शाह जैसे निर्देशकों का, जिन्होंने मुझ पर यकीन किया और मुझे मौका दिया।

आपकी दो फिल्में एक ही दिन पर प्रदर्शित हो रही हैं, तो कैसा अहसास है?

जी, ये सपने जैसा ही है ये। इतने सालों की स्ट्रगल और मेहनत कहीं ना कहीं ऐसा लगता है की रंग लाती दिख रही हैं। हालांकि अभी तो बहुत जल्दी हो जाएगा फिल्म के बिजनेस के बारे में कुछ भी कहना। जैसा की आपने कहा इतनी बड़ी डेट पर रिलीज हो रही है 2 बड़ी फिल्में। इस हफ्ते मैं दोनों फिल्मों में दिख रहा हूं, तो मुझे फील हो रहा है कि मैं इंडस्ट्री का एक हिस्सा हूं। ये मेरे जैसे कलाकार को प्रोत्साहन देता है।

स्त्री 2 में आप कॉमिडी के रंग में रंगे हैं जबकि वेदा में आप एक हार्डकोर विलेन के रूप में दिख रहे हैं, आप अभिनय के किस रंग को इंजॉय करते हैं?

कैमरे के सामने रहना ही बड़ा एक्सपीरियंस होता है । मगर मुझसे आप पूछेंगे तो मेरे लिए कॉमेडी ज्यादा मुश्किल है। हालांकि लोगों को लगता है कि मैं कॉमिडी आसानी से कर लेता हूं, मगर मुझे कॉमिडी के लिए मेहनत करनी पड़ती है। हालांकि मेरा मूड कितना भी खराब क्यों न हो, बॉडी पेन हो या मैं चिड़चिड़ा होऊं, मगर मैं उसे कॉमिडी में नहीं आने देता।

एआई हमारे समय की रियलिटी, समझने की कोशिश कर रहा हूं : राज कुमार गुप्ता

पहली फिल्म आमिर हो या नो वन किल्ड जेसिका या फिर रेड, डायरेक्टर राजकुमार गुप्ता हमेशा लीक से हटकर कहानियां लेकर आते रहे हैं। इसी कड़ी में अपनी पहली वेब सीरीज पिल में वह नकली दवाएं बनाकर लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाली कंपनियों का काला सच सामने लेकर आए हैं।

सभी की जिंदगी का हिस्सा हैं दवाइयां : इस विषय पर सीरीज बनाने के बारे में वह बताते हैं, यह ऐसा सामयिक विषय है, जिस पर ज्यादा शोज नहीं बने हैं। जबकि, दवाइयां हम सबकी जिंदगी का हिस्सा है। हम सब दवाई खाते हैं। सोचिए, अगर वो दवा बनाने वाली कंपनी उसे बनाने में कॉम्प्रोमाइज कर रही हो या गुणवत्ता का ध्यान नहीं रख रही हो कितना बड़ा हेल्थ का मुद्दा हो सकता है। इसलिए, हमें लगा कि यह एक अच्छा विषय है, इसे एक्सप्लोर किया जाए। क्या इसे बनाने के दौरान किसी तरह के चैलेंज या फार्मा लॉबी का विरोध भी झेलना पड़ा? इस पर वह बताते हैं, विरोध जैसी तो कोई बात नहीं थी, क्योंकि हमने सिर्फ उन पर सवाल उठाया है, जो स्टैंडर्ड फॉलो नहीं करते। हम सुनते रहते हैं, दवा कंपनियों पर छापे पड़ते हैं, कंपनियां बंद होती हैं, हमने उनकी बात की है। हमारे लिए चैलेंज ये था कि कैसे इसे अच्छे तरीके से बनाया जाए। ये मेरा पहला ओटीटी प्रोजेक्ट है तो हमने काफी रिसर्च की।

इंटेलिजेंट सुपरस्टार हैं अजय सर : पिल एक्टर रितेश देशमुख की भी डेब्यू वेब सीरीज है। रितेश को कास्ट करने के बारे में वह कहते हैं, रितेश मुझे हमेशा से बहुत अच्छे एक्टर लगते है। वह ज्यादातर अच्छे पॉजिटिव रोल करते रहे हैं तो मुझे लगा कि उनकी थोड़ी एंटी टाइप कास्टिंग की जाए। इसलिए, उनको भी काफी मजा आया। यह मेरी खुशकिस्मती है कि मुझे बड़े-बड़े और बेहतरीन एक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला है, वो विद्या बालन हों, रानी मुखर्जी हों, अजय देवगन सर हों या बाकी जिन कलाकारों के साथ मैंने काम किया है। अजय देवगन के साथ रेड के बाद वह अब रेड 2 लेकर आ रहे हैं। अजय के साथ काम करने के अनुभव पर उनका कहना है, अजय सर बड़े ही ईमानदार और इंटेलिजेंट कलाकार हैं और सुपरस्टार तो हैं ही।

RNI NO. RAJHIN/2013/52026
POSTAL REG NO. TONK/49/2022-24
दैनिक बढ़ता राजस्थान

पेपरलीक मास्टरमाइंड की गर्लफ्रेंड ने फर्जी डिग्री से पेपर दिए

चार परीक्षाओं में अलग-अलग फर्जी डिग्री लगाई, एसओजी ने दर्ज किया केस

जयपुर। राजस्थान एसओजी ने सीनियर टीचर भर्ती पेपर लीक मामले के मास्टरमाइंड भूपेंद्र सारण की गर्लफ्रेंड प्रियंका विश्नोई के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। प्रियंका पर आरोप है कि उसने चार परीक्षाओं में फर्जी सर्टिफिकेट लगाए और पास की। एसओजी को इसकी जानकारी कर्मचारी चयन बोर्ड से मिली थी। एसओजी एडीजी वीके सिंह ने बताया- जांच में सामने आया है कि पिछले 5 साल में प्रियंका ने भूपेंद्र सारण से दोस्ती कर चार फर्जी डिग्री ली। इसका इस्तेमाल प्रतियोगी परीक्षा में बैठने और नौकरी हासिल करने में किया था। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड से मिली जानकारी के अनुसार भूपेंद्र सारण की प्रेमिका पिछले 5 साल में चार प्रतियोगी परीक्षा में बैठी। इसके लिए उसने सारण से चार फर्जी डिग्री ली। इसके साथ ही नियम विरुद्ध एक साथ दो ग्रेजुएशन की डिग्री ली।

फाइनल रिजल्ट तैयार करते वक्त पकड़ में आई गड़बड़ी

एसओजी एडीजी वीके सिंह ने बताया- एसओजी की जांच में सामने आया है कि प्रियंका विश्नोई का पीटीआई भर्ती में चयन हुआ था। शिक्षा विभाग ने प्रियंका से उसके सभी दस्तावेज मंगवाकर जांच की। प्रियंका ने बीपीएड की फर्जी डिग्री ओपीजेएस यूनिवर्सिटी से ली थी। इसे उसने शिक्षा विभाग में जांच के लिए दे दी। जांच होने के बाद शिक्षा विभाग ने प्रियंका का नाम चयनित अभ्यर्थियों की सूची में डाल दिया, लेकिन राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने फाइनल परिणाम तैयार करते समय प्रियंका की फर्जी डिग्री को पकड़ लिया। इसके बाद बोर्ड ने उसके परिणाम पर रोक लगा दी।

बोर्ड ने एसओजी को बताया कि है कि उनकी टीम की जांच में 12 यूनिवर्सिटी हैं, जो फर्जी डिग्री देकर बच्चों के भविष्य के साथ खेल रही हैं। बोर्ड से मिली जानकारी के बाद एसओजी ने प्रियंका की अन्य परीक्षाओं में दी गई डिग्रियों की जांच की। वह भी फर्जी निकलीं। इस पर एसओजी ने एफआईआर दर्ज की हैं।

वैष्णव बोले- यूपीएससी लेटरल-एंट्री का कॉन्सेप्ट यूपीए सरकार का

2005 का सुझाव हमने लागू किया; राहुल ने कहा था- आरएसएस वालों की भर्ती हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)

यूपीएससी में लेटरल एंट्री को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सरकार पर आरोप लगाए थे कि यूपीएससी के प्रमुख पदों पर आरएसएस से जुड़े लोगों की भर्ती की गई है। इसका जवाब देते हुए सोमवार सुबह केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा- लैटरल एंट्री मामले पर कांग्रेस का पाखंड देश के सामने है। वैष्णव ने ट्वीटर पर पोस्ट में लिखा- यह यूपीए सरकार ही थी, जिसने लेटरल एंट्री का कॉन्सेप्ट लाया। दूसरा प्रशासनिक सुधार आयोग 2005 में यूपीए सरकार में ही लाया गया था। इस आयोग की अध्यक्षता वीरप्पा मोइली ने की थी। यूपीए सरकार के कार्यकाल की एआरसी ने सुझाव दिया था कि जिन पदों पर स्पेशल नॉलेज की जरूरत है, वहां विशेषज्ञों की नियुक्ति होनी चाहिए। एनडीए सरकार ने एआरसी की इस सिफारिश को लागू करने के लिए ट्रांसपेरेंट तरीका अपनाया है। इसके बाद राहुल गांधी ने सोमवार को फिर से मामले को लेकर केंद्र सरकार पर भर्ती को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने ट्वीटर पर लिखा- लैटरल एंट्री दलित, ओबीसी और आदिवासियों पर हमला है। भाजपा का राम राज्य का यह विध्वंस कारी वर्जन संविधान को नष्ट करना और बहुजनों से आरक्षण छीनना चाहता है। यूपीएससी ने 17 अगस्त को लेटरल एंट्री के जरिए जॉइंट सेक्रेटरी, डिप्टी सेक्रेटरी और डायरेक्टर लेवल की नौकरियां निकाली।

21 अगस्त के प्रस्तावित भारत बंद के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए सजगता और समन्वय से कार्य करें-मुख्य सचिव

सीएस और डीजीपी ने सभी पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से फीडबैक लेकर दिए दिशा-निर्देश

जयपुर (बढ़ता राजस्थान)

गत दिनों माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एससी/एसटी आरक्षण के सम्बंध में दिए गये निर्णय के सम्बंध में कुछ संगठनों ने सोशल मीडिया के माध्यम से आव्हान कर आगामी 21 अगस्त को भारत बंद का आव्हान किया है। मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत ने इस बंद के दौरान राज्य में कानून व्यवस्था, शांति व यातायात की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए की गई व्यवस्था की सोमवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में एसीएस (होम) श्री आनन्द कुमार, पुलिस महानिदेशक श्री यू. आर. साहू., पुलिस महानिदेशक (इंटेलीजेंस) श्री संजय अग्रवाल, एडीजी (कानून व्यवस्था) श्री विशाल बंसल, गृह सचिव श्रीमती रश्मि गुप्ता उपस्थित रहे। मुख्य सचिव और डीजीपी ने वीसी के माध्यम से रेंज आईजी, सम्भागीय आयुक्त, एसपी, कलेक्टर्स से फीडबैक लिया।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि बंद के आयोजकों के निरन्तर सम्पर्क में रहें तथा जुलूस के रूट, बंद में शामिल लोगों की संख्या, कितने बजे जुलूस कहाँ पहुंचेगा आदि जानकारी सम्बंधित अधिकारियों से साझा करें। व्यापार मंडल, शांति समितियों के प्रतिनिधियों से निरन्तर बातचीत करें।

महापुरूषों की मूर्तियों, रेल व बस स्टेशनों के पास पर्याप्त जाब्ता रखे। क्षेत्र में कोई मेला, उत्सव आयोजित हो रहा है तो वहाँ भी पुलिस फोर्स की पर्याप्त तैनाती रखें। कार्यपालक मजिस्ट्रेटों की समय पर नियुक्ति कर उन्हें पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध करवा दें। सभी सम्भाग और जिलों से वीसी के माध्यम से शामिल अधिकारियों ने फीडबैक में बताया कि इंटेलीजेंस के माध्यम से पल-पल सूचना जुटाकर सम्बंधित अधिकारियों के साथ साझा की जा रही है। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सोशल मीडिया पर निगरानी रखें, अफवाह फैलाने और भडकाने वाली पोस्ट डालने, शेयर करने वालों को चिन्हित कर कार्रवाई करें तथा गलत तथ्य का सोशल मीडिया एवं प्रिंट/इलैक्ट्रॉनिक मीडिया में खंडन जारी करें।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा- तीन तलाक घातक है

यह न तो इस्लामी और न ही कानूनी; मुस्लिमों ने इसे रोकने के ठोस कदम नहीं उठाए

नई दिल्ली (बढ़ता राजस्थान)

तीन तलाक कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं पर केंद्र सरकार ने सोमवार (19 अगस्त) को 433 पेज में अपना जवाब दाखिल किया। केंद्र ने हलफनामें में कहा- तीन तलाक जैसी प्रथा शादी जैसी सामाजिक संस्था के लिए घातक है। यह न तो इस्लामी है और न ही कानूनी। तीन तलाक किसी एक महिला के साथ किया गया निजी अपराध नहीं है। यह सामाजिक अपराध है, जो महिलाओं के अधिकारों और शादी जैसी सामाजिक संस्था के खिलाफ है। केंद्र ने कहा- शीर्ष कोर्ट से इस प्रथा को असंवैधानिक घोषित किए जाने के बावजूद मुस्लिम समुदाय ने इसे खत्म करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए। इसलिए संसद ने मुस्लिम महिलाओं के अधिकार बचाने के लिए यह कानून बनाया।

केंद्र बोला- प्रथा मुस्लिम महिलाओं से भेदभाव करती है

केंद्र सरकार ने कानून के बचाव में कहा- कानून ऐसी प्रथा को गैर-जमानती अपराध बनाता है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने ही मनमाना कहा था। यह प्रथा शादीशुदा मुस्लिम महिलाओं से भेदभाव करती है। वहीं, यह कानून शादीशुदा मुस्लिम महिलाओं के लिए न्याय और समानता के अधिकार को सुनिश्चित करने में मदद करता है। इसके साथ ही यह नॉन-डिस्क्रिमिनेशन और इंपावरमेंट के मौलिक अधिकार को पूरा करने में भी मदद करता है।

जमीयत का दावा- कानून संविधान के खिलाफ है

सुप्रीम कोर्ट ने 22 अगस्त 2017 को तत्काल तीन तलाक (तलाक-ए-बिद्दत) असंवैधानिक घोषित किया था। वहीं, केंद्र सरकार ने 30 जुलाई 2019 को तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाया था। इसमें तीन तलाक को क्रिमिनलाइज करके 3 साल की सजा का प्रावधान किया गया। कानून के खिलाफ दो मुस्लिम संगठनों- जमीयत उलमा-ए-हिंद और समस्त केरल जमीयतुल उलेमा ने याचिका लगाई थी। याचिका में इसे असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई है। जमीयत का दावा है कि एक धर्म में तलाक के तरीके को अपराध बनाना और अन्य धर्मों में केवल सिविल कानून के दायरे में रखना भेदभाव भरा है। यह आर्टिकल 15 के खिलाफ है।

राजस्थान में 22 अगस्त से फिर शुरू होगी बारिश

11 जिलों में एक्टिव होगा मानसून; अगले तीन दिन मौसम साफ रहने की संभावना

जयपुर। राजस्थान में बारिश का दौर फिलहाल थम गया है। रविवार को भी राज्य में अधिकांश जगह मौसम साफ रहा और धूप निकली। जयपुर, अलवर, भरतपुर के एरिया में देर शाम मौसम में बदलाव हुआ और बादल छाने के साथ बारिश हुई। राजस्थान में आज और अगले दो दिन और मौसम साफ रहने की संभावना है। 22 अगस्त से मानसून फिर एक्टिव होने की संभावना है। 11 जिलों में बारिश का दौर शुरू होगा। पिछले 24 घंटे की स्थिति देखें तो अलवर, कोटा, सवाई माधोपुर, टोंक, दौसा, जयपुर ग्रामीण और भीलवाड़ा, राजसमंद के आसपास हल्की बारिश हुई। सबसे ज्यादा बरसात कोटा के खातौली में 58 एमएम दर्ज हुई। दौसा के बेजुपाड़ा में 34, बूंदी के नैंनवा में 29, जयपुर के फागी में 21, ब्यावर के पास रायपुर में 16, टोंक के पीपलु में 5 एमएम बरसात हुई।

राजस्थान में अब तक 471.8एमएम बरसात

राजस्थान में मानसून की बारिश की रिपोर्ट देखें तो 1 जून से 19 अगस्त तक 471.8एमएम बरसात हो चुकी है, जो औसत सामान्य बारिश से 49 फीसदी ज्यादा है। इस सीजन में औसत बारिश 317एमएम होती है।

अब आगे क्या?-मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर की ओर से आज से 21 अगस्त तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताते हुए किसी भी जिले में आंधी बारिश का कोई अलर्ट जारी नहीं किया है। 22 अगस्त से राजस्थान में मौसम एक्टिव होगा, जिसका प्रभाव कोटा, उदयपुर संभाग के जिलों में देखने को मिलेगा। 22 अगस्त को बूंदी, कोटा, बारां, झालावाड़, भीलवाड़ा, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, उदयपुर, डूंगरपुर और बांसवाड़ा जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमला, सीआरपीएफ इंस्पेक्टर की मौत

श्रीनगर (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में सोमवार को आतंकियों की फायरिंग में सीआरपीएफ इंस्पेक्टर की मौत हो गई। सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस की जॉइंट ऑपरेशन टीम रामनगर के चील इलाके में रूटीन पेट्रोलिंग पर थी, उसी दौरान आतंकियों ने गोलीबारी की। सीआरपीएफ इंस्पेक्टर की पहचान कुलदीप के रूप में हुई है। एनकाउंटर जारी है। इससे पहले डोडा में 14 अगस्त को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में आर्मी के 48 राष्ट्रीय राइफल के कैप्टन दीपक सिंह शहीद हो गए थे। वह डोडा में असार फॉरेस्ट एरिया में चल रहे एनकाउंटर में टीम को लीड कर रहे थे। 16 जुलाई को भी डोडा में मुठभेड़ के दौरान एक कैप्टन समेत 5 जवान शहीद हुए थे।

जम्मू रीजन में आतंकी घटनाएं बढ़ीं

आज का हमला जम्मू क्षेत्र में हुआ है, जो कई सालों से कश्मीर की तुलना में शांत रहा है। जम्मू में खास तौर पर पीर पंजाल रेंज के दक्षिणी इलाकों में आतंकी गतिविधियों में तेजी आई है।

गोगामेड़ी मेले का झंडारोहण के साथ विधिवत शुभारंभ

पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने किया झंडारोहण

गोगामेड़ी मेले क्षेत्र को किया चार सेक्टर में विभाजित, प्रभारी अधिकारी किए नियुक्त

जयपुर (बढ़ता राजस्थान)

उत्तरी भारत के सबसे बड़े सांप्रदायिक सौहार्द के गोगामेड़ी मेले का हनुमानगढ़ में सोमवार को विधिवत् पूजा अर्चना, झंडारोहण और राष्ट्रगान के साथ शुभारंभ किया गया। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने शुभारंभ कार्यक्रम में शिरकत की। इस मौके पर मंत्री श्री कुमावत ने गोगाजी की समाधि पर चादर चढ़ाई तथा माथा टेक कर प्रदेश वासियों की समृद्धि तथा राजस्थान विकसित प्रदेश बने इसके लिए प्रार्थना की। इस वर्ष 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। इस मौके पर भादरा विधायक श्री संजीव बेनीवाल, जिला कलेक्टर श्री काना राम, पुलिस अधीक्षक श्री विकास सांगवान, नोहर प्रधान श्री सोहन ढील, देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त श्री गौरव सोनी, नोहर एसडीएम और मेला मजिस्ट्रेट श्री पंकज गढ़वाल, पशुपालन संयुक्त निदेशक डॉ. हरीश गुप्ता मौजूद रहे। देवस्थान मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की दिक्कत ना आए इसके लिए प्रशासन लगातार प्रयासरत है। श्रद्धालुओं के लिए और अधिक सुविधा कैसे विकसित हो इसके लिए हम प्रयास करेंगे।

दर्शनार्थियों के लिए स्थाई व्यवस्थाओं हेतु भेजे प्रस्ताव

दर्शनार्थियों के लिए अस्थाई व्यवस्थाएं टेंट लगाकर की जा रही है। जिसके लिए उन्होंने जिला कलेक्टर को निर्देश दिए कि स्थाई व्यवस्था हेतु जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों से चर्चा कर प्रस्ताव भेजें। मेले में आमजन के लिए जिन सुविधाओं की आवश्यकता होती है, वह निश्चित रूप से उन्हें मिलेगी। श्रद्धालुओं को किसी भी तरीके की तकलीफ ना हो, इसके लिए हम लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि मंदिरों तथा स्कूल दोनों का विकास उनका ध्येय है। मंत्री श्री कुमावत ने प्रशासन, पुलिस तथा देवस्थान विभाग को उनकी जिम्मेदारियों के बारे में बताया।

पशुपालकों को नए पशु खरीदने के लिए बिना ब्याज 1 लाख रुपए का ऋण

पशुपालन, गोपालन, डेयरी तथा देवस्थान कैबिनेट मंत्री ने राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा की ऊंटनी के पहले बच्चे के पालन-पोषण के लिए मुख्यमंत्री ने 20 हजार रुपए के अनुदान राशि देने का ऐलान किया है। राजस्थान में रोजगार की दृष्टि से दूसरा सबसे बड़ा व्यवसाय पशुपालन है। राज्य सरकार ने दुधारू पशुओं के लिए बीमा की भी शुरुआत की है। पशुपालक नए पशु खरीद सके इसके लिए गोपालक कार्ड बनाया

गौशाला में गायों के अनुदान में 10 फीसदी बढ़ोतरी-गाय को पूजने से घर में समृद्धि आती है, इसलिए सरकार ने हर पंचायत में गौशाला तथा प्रत्येक पंचायत समिति में नंदी शाला खोलने की घोषणा की है। जिसके लिए नई गौशाला हेतु गौशाला संस्था द्वारा 10 लाख रुपए राशि खर्च करने पर 90 लाख की आर्थिक सहायता दी जा रही है। गायों के लिए अनुदान में 10 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। देवस्थान विभाग द्वारा बुजुर्गों को निशुल्क तीर्थ यात्रा करवाई जा रही है, जिसमें हवाई जहाज से भी यात्रा करवाई जा रही है। मंत्री ने कहा कि हम आपकी सेवा में हमेशा तैयार है।

पूर्व मुख्यमंत्री श्री वसुंधरा राजे का मंदिर विकास में अहम योगदान-देवस्थान कैबिनेट मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने कहा कि मेले में ना केवल दर्शन लाभ मिलते हैं, बल्कि संस्कृति के विकास तथा रोजगार सृजन के लिए भी महत्वपूर्ण है। हम वसुदेव कुटुंबकम के साथ सभी धर्मों से प्यार का भाव रखने वाली संस्कृति से है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री श्री वसुंधरा राजे का जिक्र करते हुए कहा कि 2013 से 2018 तक मंदिर विकास में उन्होंने महत्वपूर्ण कार्य करवाए।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस
दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही
कलर एवं ब्लैक मुद्रण | किफायती मुद्रण लागत
Printing Press
• Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
Office
• Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
• 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033
(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795
Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस,हमीदपुरा रोड खण्डवा,निवाई टोंक (राज.) से मुद्रित एवं राजकीय महाविद्यालय के पास एन एच-12,बाईपास निवाई टोंक (राज.) से प्रकाशित, संपादक-तनुजा पठान*।
प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय मो.नं. 9414242258, 9214048888 टोंक कार्यालय फोन नं.01432-244881,निवाई 01438-222201,202,203, प्रधान कार्यालय :185/ 116 ''प्रतीक्षा'' सेक्टर-18, प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर (राज.)
फोन नं.0141-2796794,2796795,E-Mail-badhatarajasthan@yahoo.com, *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर महानगर होगा)